वर्ष : 33 ▸ अंक : 243 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, मंगलवार, 19 नवंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

राष्ट्र-महाराष्ट्र में अपनी सरकार

हर सपना होगा साकार

स्थायी और मज़बूत सरकार से होगा सक्षम और समृद्ध महाराष्ट्र का निर्माण

भाजप-महायुती आहे, तर गती आहे

महाराष्ट्राची प्रगती आहे

*Matter related to "Clock" symbol of the NCP is sub-judice in the Supreme Court.

शिवसेना

भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र

महायुतीला मतदान करा आणि विजयी करा

Published By: Bharatiya Janata Party, Maharashtra | C.D.O Barrack No. 1, Nariman Point, Mumbai - 400020

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक का निर्णय गैर कानूनी नहीं

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मतदान केंद्र में मोबाइल फोन नहीं ले जाने को लेकर बंबई उच्च न्यायालय की ओर से अहम फैसला आया है। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक लगाने के भारत निर्वाचन आयोग का निर्णय गैर कानूनी नहीं है।

क्या कहा कोर्ट ने ?

पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग के पास चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए कोई भी कदम उठाने का अधिकार है। अदालत ने कहा, चुनाव कराने की प्रक्रिया बहुत जटिल है और इसमें याचिकाकर्ता कह रहे हैं कि डिजिलॉकर में दस्तावेज दिखाएं। पीठ ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को यह अधिकार नहीं है कि वो सिर्फ अपने फोन पर डिजिटल लॉकर में रखे दस्तावेजों को दिखाकर उन्हें सत्यापित करवाए। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा, हमें चुनाव आयोग के निर्णय में कोई अवैधता नहीं दिखती। जनहित याचिका में यह भी दावा किया गया था कि मतदान केंद्रों पर फोन सुरक्षित जमा कराने की व्यवस्था नहीं होने से मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने से हतोत्साहित होंगे।

जनहित याचिका खारिज

मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध के खिलाफ मुंबई की अधिवक्ता उजाला यादव द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया। जनहित याचिका में उच्च न्यायालय से अनुरोध किया गया कि वह भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग को यह निर्देशित करें कि मतदाताओं को मतदान केंद्र पर फोन ले जाने की अनुमति दी जाए और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 'डिजिलॉकर' ऐप के माध्यम से अपना पहचान प्रमाण दिखाने की अनुमति भी दी जाए।

एमवीए ने ढाई साल में नौ लाख करोड़ के प्रोजेक्ट्स में रूकावट डाली: मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाविकास अघाड़ी सरकार ने ढाई साल में राज्य में 8 लाख 89 हजार 105 करोड़ के कामों में स्पीड ब्रेकर लगाया था। मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन, जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र, बारसु रिफाइनरी, वाढवण बंदरगाह, धारावी पुनर्विकास, गारगाई बांध, मुंबई सेंट्रल पब्लिक पार्क जैसे प्रोजेक्ट्स को स्थगित कर दिया गया था। उसके परिणामस्वरूप लगभग 14 लाख नौकरियां चली गईं और देरी के कारण प्रोजेक्ट्स की लागत में 15 हजार 200 करोड़ की बढ़ोतरी हुई, ऐसे तीखे शब्दों में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे जी ने विपक्षियों पर निशाना साधा।

वे विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के समापन से पहले बाळासाहेब भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। चुनाव के अवसर पर राज्य भर में 75 प्रचार सभाएं आयोजित की गयी। इन सभाओं को जनता से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिंदे ने यह भावना व्यक्त की कि वह पिछले 2 वर्षों में किए गए कार्यों से संतुष्ट हैं। लोग सरकार के काम से खुश हैं। इसलिए मुख्यमंत्री जी ने विश्वास जताया कि महायुति बहुमत से निर्वाचित होगी। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार ने ढाई साल में मुंबई में कोस्टल रोड, अटल सेतु, मेट्रो 3, मेट्रो कारशेड, जलयुक्त शिवार योजना, मराठवाड़ा वॉटर ग्रिड, समृद्धि हाईवे जैसी परियोजनाएं शुरू कीं और रिकॉर्ड समय में पूरी कीं। मुंबई में कंक्रीट की सड़कें. पहले 15 साल में गड्ढे भरने के लिए 3500 करोड़ का भ्रष्टाचार किया। मुख्यमंत्री शिंदे ने कोविड सेंटर का पैसा, बॉडी बैग, खिचड़ी खाने को लेकर उबाठा की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने धारावी पुनर्विकास परियोजना की आलोचना करने वाले राहुल गांधी की जमकर खबर ली।

महाराष्ट्र सरकार पर मुकदमा दायर करने की योजना बना रहे सिद्धारमैया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को घोषणा की कि उनकी सरकार कर्नाटक की प्रमुख गारंटी योजनाओं को कथित रूप से गलत तरीके से प्रस्तुत करने वाले विज्ञापनों पर महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रही है। उन्होंने दावा किया कि ये विज्ञापन चुनाव वाले महाराष्ट्र में मतदाताओं को गुमराह करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास था।

सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र में भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के महायुति गठबंधन पर राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया। 'यह केवल वोट पाने के लिए महाराष्ट्र के लोगों को गुमराह करने के लिए है। प्रधानमंत्री झूठ बोल रहे हैं और महाराष्ट्र सरकार ने झूठे विज्ञापन जारी किये हैं। मुख्यमंत्री ने खुलासा किया कि कर्नाटक सरकार महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर करने की संभावना की जांच कर रही है। हम मुकदमा दायर करने के बारे में सोच रहे हैं क्योंकि उन्होंने झूठे विज्ञापन दिए हैं। हम कानूनी कार्रवाई तलाश रहे हैं।

गारंटी योजनाओं के पैमाने पर प्रकाश डालते हुए, सिद्धारमैया ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के नागरिकों को लाभ पहुंचाने वाली पहल पर सालाना 56,000 करोड़ रुपये खर्च करती है। उन्होंने यह दावा करने के लिए भाजपा की आलोचना की कि कर्नाटक में इन योजनाओं के लिए धन की कमी है और सवाल किया कि भाजपा शासित राज्यों में समान कार्यक्रम क्यों लागू नहीं किए जाते हैं। सिद्धारमैया ने जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी की भी आलोचना की और कांग्रेस के नेतृत्व वाली योजनाओं पर टिप्पणी करने के उनके नैतिक अधिकार पर सवाल उठाया।

गीतकार जावेद अख्तर के खिलाफ मानहानि का मामला वापस

आरएसएस की तालिबान से की थी तुलना

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

गीतकार और लेखक जावेद अख्तर को मानहानि के खिलाफ मामले में राहत मिली है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की तुलना तालिबान से करने पर अख्तर के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। मुंबई में वकील संतोष दुबे ने बताया कि 8 नवंबर को मुलुंड मजिस्ट्रेट कोर्ट को सूचित किया कि मामला मध्यस्थता से पक्षों के बीच सुलझा लिया गया है। दुबे ने खुद को RSS का सदस्य बताया था। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबे के अनुरोध के बाद कोर्ट ने मामले का निपटारा करते हुए अख्तर को भारतीय दंड संहिता की धारा 499 और 500 के तहत आरोपों से बरी कर दिया है। ये धाराएं मानहानि से संबंधित है, जिसके लिए अधिकतम 2 साल की सजा का प्रावधान है। दुबे ने पिछले सप्ताह कोर्ट में उपस्थित होकर अपनी शिकायत वापस लेने का अनुरोध किया था। इसके बाद कोर्ट ने अख्तर को राहत दी।

क्या है मामला?

अख्तर ने 2021 में एक टेलीविजन पर साक्षात्कार के दौरान RSS की तुलना तालिबान से की, जिसके बाद दुबे ने उनको नोटिस भेजकर माफी मांगने को कहा अन्यथा 100 करोड़ रुपये हर्जाना मांगने की धमकी दी। अख्तर ने उनकी बात नहीं सुनी तो दुबे ने 2022 में मुलुंड कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई। कोर्ट ने अख्तर को समन जारी कियो तो अख्तर ने इसे मुंबई सत्र कोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने 2023 में अख्तर की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने यह कहते हुए अख्तर की याचिका खारिज की कि अख्तर की टिप्पणियों के कारण दुबे की प्रतिष्ठा उनके दोस्तों और ग्राहकों के बीच कम हुई थी क्योंकि दुबे इसी विचारधारा का पालन करते हैं।

कर्ज में डूबे अनिल अंबानी को एक और झटका

RCom समेत कई कंपनियों के लोन खाते 'फ्रॉड' घोषित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उद्योगपति अनिल अंबानी की रिलायंस कम्युनिकेश (RCom) और उसकी सहायक कंपनियों के लोन अकाउंट को केनरा बैंक ने धोखाधड़ी (फ्रॉड) घोषित कर दिया है। बैंक ने दिवालिया हो चुकी इस कंपनी को पिछले शुक्रवार को नोटिस भेजकर यह जानकारी दी। केनरा बैंक यह कदम उठाने वाला देश का चौथा बैंक बन गया है। इससे पहले भारतीय स्टेट बैंक (SBI), यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन ओवरसीज बैंक ने 2020 में RCom के लोन खाते फ्रॉड घोषित किए थे।

फ्रॉड घोषित होने के पीछे क्या हैं कारण?

- केनरा बैंक के मुताबिक, रिलायंस कम्युनिकेशन ने लोन फंड का दुरुपयोग किया। यह रकम सेंक्शन लेटर में बताए गए उद्देश्यों के बजाय दूसरे कामों में लगाए। इसके अलावा कंपनी ने लोन फंड का इस्तेमाल अन्य बैंकों के कर्ज चुकाने और संबंधित पार्टियों को भुगतान करने में किया।
- कैनरा बैंक ने अपने नोटिस में बताया कि RCom को 1050 करोड़ रुपए की क्रेडिट फैसिलिटी दी गई थी, जिसमें टर्म लोन, गारंटी और लेटर ऑफ क्रेडिट शामिल थे। कंपनी ने इन शर्तों का उल्लंघन किया, जिसके चलते 2017 में इसे नॉन-परफॉर्मिंग एसेट (NPA) घोषित कर दिया गया।

फॉरेंसिक ऑडिट में हुआ बड़ा खुलासा

2020 में BDO इंडिया द्वारा किए गए फॉरेंसिक ऑडिट में सामने आया कि RCom और उसकी एसोसिएट कंपनियों ने बैंकों से 31,580 करोड़ रुपए लोन लिया है। जिसमें से 6,265 .85 करोड़ रुपए अन्य बैंकों के लोन चुकाने में खर्च किए। जबकि 5,501.56 करोड़ रुपए संबंधित पार्टियों को भुगतान किए गए। जबकि 1,883 .08 करोड़ रुपए म्यूचुअल फंड में निवेश किए, जिन्हें तुरंत भुनाकर दूसरे पेमेंट के लिए यूज किया गया।

खड़गे के बयान पर बवाल

कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा और RSS को जहरीला सांप कहा था

बीजेपी ने चुनाव आयोग से की शिकायत

डीबीडी संवाददाता । सांगली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महाराष्ट्र के सांगली की चुनावी रैली में रविवार को एक ऐसा बयान दे दिया, जिससे सियासी बवाल शुरू हो गया है। खड़गे ने रैली में बीजेपी और आरएसएस की तुलना जहरीले सांप से कर दी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस देश के लिए सबसे बड़े राजनीतिक खतरा हैं।

खड़गे ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा,'अगर सांप काट लेता है तो इंसान की मौत हो जाती है। ऐसे जहरीले सांप को खत्म कर देना चाहिए। खडगे के इस बयान से महाराष्ट्र में सियासी माहौल गर्म हो गया है। बता दें कि यह पहला मौका नहीं है जब खड़गे ने ऐसा बयान दिया है। पहले भी कांग्रेस अध्यक्ष बीजेपी और आरएसएस को लेकर विवादित बयान देते रहे हैं।

भाजपा ने कहा- खड़गे का बयान भड़काऊ

खड़गे के बयान पर भाजपा ने आपत्ति जताई है। बीजेपी के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा है कि खड़गे का यह बयान भड़काऊ है। इसके साथ ही चुनाव आयोग से इस बयान के लिए कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भंडारी ने कहा, 'अगर कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी (MVA) सत्ता में आए, तो जो लोग उनका समर्थन नहीं करेंगे, उनकी जान को खतरा होगा।' भाजपा ने कहा है कि यह राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है। ऐसे बयानों से जनता में गलत संदेश जाएगा। सांगली की चुनावी सभा में खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आड़े हाथों लिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि कहा, 'मोदी की सत्ता की भूख खत्म नहीं हो रही। मणिपुर में लोग मर रहे हैं, महिलाओं का अपमान हो रहा है, लेकिन मोदी कभी मणिपुर नहीं गए।' वहीं, झांसी में बच्चों की मौत के बावजूद योगी चुनाव प्रचार करने में व्यस्त रहे।

2019 के मुकाबले कम सीटों पर उतरी कांग्रेस

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस ने 2019 के मुकाबले कम सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पिछली बार पार्टी ने 147 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे, जबकि इस बार केवल 103 सीटों पर उम्मीदवार की घोषणा की है। महाविकास अघाड़ी गठबंधन की सीट शेयरिंग के तहत उद्धव ठाकरे गुट ने 89 और शरद पवार गुट ने 87 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

महाराष्ट्र में 5 साल से जारी है सियासी उठापटक

महाराष्ट्र की राजनीति ने पिछले 5 सालों से सियासी उठा-पटक जारी है। बीते पांच साल में राज्य ने तीन सरकारें और तीन मुख्यमंत्री देखे हैं। बड़े प्रोजेक्ट खोने और बढ़ते कर्ज ने राज्य की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। अब नए चुनावों में जनता यह तय करेगी कि सत्ता में कौन लौटेगा। खड़गे के विवादित बयान ने राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ा दी है। जहां कांग्रेस आक्रामक अंदाज में प्रचार कर रही है, वहीं भाजपा इस बयान को हथियार बनाकर जनता के सामने ले जा रही है।

उत्तर भारतीय मेरे परिवार की तरह हैं : रविंद्र चव्हाण

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

उत्तर भारतीय समाज द्वारा ब्राह्मण सभा हॉल में आयोजित दिवाली स्नेह मिलन समारोह एवं कवि संमेलन का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में सार्वजनिक निर्माण कार्य मंत्री रविंद्र चव्हाण की मुख्य उपस्थिति थी। इस कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी आई. पी. मिश्रा, नागेंद्र फौजदार शर्मा, दिनेश दुबे, शशिधर शुक्ला, रवि सिंह ठाकुर सहित अन्य उत्तर भारतीय समाज के प्रमुख लोगों ने किया। उपस्थित लोगों ने मंत्री चव्हाण का स्वागत किया और उनके प्रयासों की सराहना की। महाराष्ट्र के पीडब्ल्यूडी मंत्री रवींद्र चव्हाण ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और उन्होंने उत्तर भारतीय समाज से आगामी विधानसभा चुनावों में अपना समर्थन मांगा। चव्हाण ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'उत्तर भारतीय मेरे परिवार के सदस्य हैं, हम यहां एक परिवार की तरह रहते हैं।' उन्होंने शहर के सभी उत्तर भारतीयों को अपने सुख-दुख में शामिल होने और एकजुट रहने के लिए प्रेरित किया। उनकी यह बात सुनकर सभी उपस्थित लोगों ने उनका समर्थन किया।

उत्तर भारतीय वोटर को लुभाने की कोशिश

बता दें की, महाराष्ट्र में 20 नवंबर को 288 सीटों पर मतदान होना है, कल्याण डोंबिवली में बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय वोटर्स रहते है। दिवाली स्नेह संमेलन में पीडब्ल्यूडी मंत्री रविन्द्र चव्हाण के आने के बाद उत्तर भारतीय जनता खुश नजर आयी। लेकिन शहर के कुछ उत्तर भारतीय दबे आवाज मे चर्चा कर रहे थे कि, मंत्री जी उत्तर भारतीयों का वोट मांगने आए हैं। इसलिए उत्तर भारतीयों ने भी खुले मन से रविंद्र चव्हाण का स्वागत किया और अपना समर्थन घोषित किया।

महाराष्ट्र चुनाव : 22 करोड़ रुपये की नकदी, शराब और अन्य वस्तुएं जब्त

डीबीडी संवाददाता । पालघर

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा होने और आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अबतक पालघर जिले में कुल 22 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी, शराब और अन्य सामग्री जब्त की गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पालघर कलेक्टर और निर्वाचन अधिकारी गोविंद बोडके ने बताया कि जब्त सामान में 16.14 करोड़ रुपये नकद, 2.46 करोड़ रुपये मूल्य की शराब, 26.82 लाख रुपये की अनुमानित कीमत के मादक पदार्थ, लैपटॉप, साड़ियां और कुकर शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और चुनाव प्रचार सोमवार पांच बजे समाप्त हो रहा है।

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड
दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग, मुंबई - 400020

रिक्ति अधिसूचना सं.: एमआरवीसी/ई/पीइ/1/2024
दिनांक 14.11.2024

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा **"प्रोजेक्ट इंजीनियर (सिविल)"** के 20 पद को अनुबंध के आधार पर भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है । मेल द्वारा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13.12.2024 है। अधिक जानकारी वेबसाइट **https://mrvc.indianrailways.gov.in** पर प्राप्त की जा सकती है । शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

मनोरोगियों को मिला मराठी फिल्म फुलवंती देखने का सुनहरा मौका

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

समाज में मनोरोगियों को मुख्य धारा में लाने के लिए समय-समय पर सामाजिक संस्थाओं की भी अहम भूमिका रहती है। उसी कड़ी में ठाणे सिटीजन फाउंडेशन की ओर से विवियाना माल में स्थित सिनेमा हाल में मनोरोगियों को फुलवंती फिल्म देखने का सुनहरा मौका मिला। मनोरोगियों में महिला व पुरूष दोनों उपस्थित थे। यह संकल्पना अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के निर्देश पर किया गया। फिल्म देखते हुए सभी मनोरोगी उत्साहित दिखाई दिए।इस समय उपस्थित अस्पताल के डॉक्टर व कर्मचारियों ने मतदान करने के लिए सपथ भी ग्रहण किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए डॉ. ममता अलसपुरकर, डॉ. रानडे, डॉ. भागवत, डॉ. खांडेपारकर,आहार विशेषज्ञ प्रिया गुरव, अधिसेविका संख्ये, मनोरोगी विशेषज्ञ परिचारिका शरण्या भालेराव सभी अधिकारी व कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

पुणे मंडल में चाइल्ड रेस्क्यू के संबंध में बैठक का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । पुणे

बृजेश कुमार सिंह अपर मंडल रेल प्रबंधक पुणे की अध्यक्षता में 18 नवंबर को 2024 को वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पुणे प्रियंका शर्मा तथा संबंधित थाना प्रभारी, रेलवे पुलिस अधिकारी एवं चाइल्ड हेल्प डेस्क के पदाधिकारी के साथ समन्वय तिमाही बैठक ली गई। जिसमें उपस्थित सभी मान्यवर से अपर मंडल रेल प्रबंधक पुणे द्वारा रेल परिसर मे पाये जाने वाले बच्चों के सुरक्षा संबंध मे SOP मे दिए गए निर्देशों का अनुपालन करने हेतु कहा गया। वर्ष 2024 जनवरी से अक्टूबर तक कुल 228 बच्चों को चाइल्ड रेस्क्यू अभियान के तहत CWC को सुपुर्द किये गए। इस कार्य को सराहा गया तथा सभी संबंधितों को चाइल्ड रेस्क्यू के संबंध में बढियां कार्य करने हेतु अपर मंडल रेल प्रबंधक पुणे द्वारा मार्गदर्शन किया। इस संबंध में SOP में दिए गए प्रावधानों के अनुसार मूलभूत सुविधाओं के संबंध में चर्चा की गई तथा उनके द्वारा यह आश्वासन दिया गया कि यदि उपरोक्त कार्य के दौरान कोई भी समस्या उत्पन्न होती है तो निसंकोच अपर मंडल रेल प्रबंधक पुणे से संपर्क करें ताकि समस्या का समाधान किया जा सके।

वर्ष : 33 » अंक : 243 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, मंगलवार, 19 नवंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

DBD दो बजे दोपहर 3

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खत्म हुआ चुनावी भोंपू

» विधानसभा चुनावों के लिए सोमवार की शाम छह बजे 288 सीटों पर प्रचार समाप्त

» महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर बुधवार को सुबह 7 बजे से डाले जाएंगे वोट

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार सोमवार शाम पांच बजे थम गया। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा की सभी 288 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। सोमवार को चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प्रत्याशियों ने अपने-अपने इलाकों में जमकर दौड़-धूप की। उधर, कई वजहों से महाराष्ट्र की चुनावी लड़ाई को इस बार बेहद खास माना जा रहा है। राज्य में इस बार सिर्फ दो ही गुटों महायुति और महा विकास अघाड़ी में लड़ाई है। जबकि तीसरा गुट कहीं भी लड़ाई में नहीं है। आइए इसे विस्तार से समझते हैं।

महाराष्ट्र में इस बार कोई खास मुद्दा नहीं

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इस बार कोई भी ऐसा एक मुद्दा नहीं रहा, जिसके बारे में यह कहा जा सके कि पूरे राज्य में सभी विधानसभा सीटों पर प्रभावी है। इस वजह से नारों को लेकर भी संदेह और असमंजस की स्थिति दिख रही है। बीजेपी की तरफ से 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' नारों को सबसे ज्यादा प्रमुखता दी गई, लेकिन खुद NDA खेमे में भी इस पर सर्वसम्मति नहीं बन सकी। अजित पवार ही नहीं, BJP के भी कई नेताओं ने इस नारे को अस्वीकार करने की बात कह दी।

प्रत्याशियों पर असमंजस

महाराष्ट्र चुनाव में इस बार वोटर प्रत्याशियों को लेकर असंमजस में हैं। क्योंकि असली शिवसेना-नकली शिवसेना, असली एनसीपी, नकली एनसीपी समेत कई विषयों पर वोटर असमंजस की स्थिति में दिख रहे हैं। वहीं इस बार चुनावी लड़ाई का स्वरूप इस मायने में भी बदला है कि लगभग हर विधानसभा क्षेत्र में बहुकोणीय मुकाबला हो गया है। दो शिवसेना और दो NCP के साथ ही कांग्रेस और BJP के अधिकृत प्रत्याशी तो तय सीटों पर हैं ही। इन दलों के बागी प्रत्याशी भी कई जगहों पर मुकाबले को कठिन बना रहे हैं। ऐसे में कौन किस तरफ से किसके वोटों में कितनी सेंध लगाने वाला है? इसे लेकर हर खेमे में उलझन बनी हुई है।

जनता के पास ऑप्शन ही ऑप्शन

महाराष्ट्र चुनाव के बाद सत्ता किसके हाथ में जाती है? इस पर सबकी नजरें टिकी रहती थीं, लेकिन इस बार बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। साल 2019 में विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद जिस तरह का उलटफेसर महाराष्ट्र की राजनीति में दिखा है। उसके चलते प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक दलों का स्वरूप बदल दिया है। साथ ही प्रमुख राजनीतिक परिवारों की साख पर सवाल उठे हैं। वहीं वोटरों के सामने भी ऑप्शन ही ऑप्शन नजर आ रहे हैं।

एमवीए और महायुति में कौन भारी?

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसना और अजित पवार की एनसीपी की अगुवाई में महायुति ने कमान संभाली। वहीं कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी और शरद पवार की एनसीपी से महाविकास अघाड़ी ने मोर्चा संभाला। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान दोनों गठबंधन में कड़ा मुकाबला देखा गया है। लोकसभा चुनाव में नंबर वन पर रही महाविकास अघाड़ी को इस बार काफी मेहनत करनी पड़ी है। वहीं महायुति ने लोकसभा चुनाव के रिजल्ट को पीछे छोड़ते हुए खूब पसीना बहाया है। ऐसे में देखना रोचक होगा कि महाराष्ट्र की सत्ता के फाइनल में कौन बाजी मारता है?

चुनाव आयोग ने जब्त की एक हजार करोड़ की संपत्ति

महाराष्ट्र-झारखंड में पिछले चुनाव से सात गुना अधिक है रकम

धीरज सिंह । मुंबई

चुनाव आयोग ने इस बार महाराष्ट्र-झारखंड विधानसभा चुनाव और उपचुनाव में मतदाताओं को प्रलोभन देने के लिए किए जाने वाले अवैध कामों पर शिकंजा कसा है। आयोग ने चुनाव में एक हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में 2019 के मुकाबले यह रकम सात गुना ज्यादा है।

858 करोड़ रुपए की संपत्ति और नकदी जब्त

महाराष्ट्र और झारखंड से इस बार कुल मिलाकर 858 करोड़ रुपए की संपत्ति और नकदी जब्त की गई। जबकि पिछले चुनाव में महाराष्ट्र से 103.61 करोड़ और झारखंड से 18.76 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई थी।

महाराष्ट्र की प्रमुख जब्ती

एजेंसियों ने पालघर के वाडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक जीप से 3.70 करोड़ रुपए की नकदी, बुलढाणा जिले के जामोद में 4.51 करोड़ रुपए के 4,500 किलोग्राम गांजा के पौधे और रायगढ़ में 5.20 करोड़ रुपए मूल्य की चांदी की छड़ें जब्त कीं। इसके अलावा अन्य संपत्तियां भी जब्त की गईं।

लॉरेंस का भाई अनमोल अमेरिका में गिरफ्तार

सलमान के घर फायरिंग का मास्टरमाइंड, मूसेवाला मर्डर में भी आ चुका नाम

डीबीडी संवाददाता । कैलिफोर्निया/मुंबई

गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल की अमेरिका में गिरफ्तारी की खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैलिफोर्निया में उसे अरेस्ट किया गया है। अनमोल पर सलमान खान के घर फायरिंग कराने का आरोप है। सिंगर सिद्धू मूसेवाला के मर्डर में भी अनमोल का नाम आया था।

अभी तक नहीं की गिरफ्तारी की पुष्टि

दिल्ली और मुंबई पुलिस ने अभी तक गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन खुफिया एजेंसी के सूत्रों के अनुसार अमेरिका ने दो हफ्ते पहले अनमोल बिश्नोई के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

NIA ने रखा 10 लाख का इनाम

: हाल ही में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई पर 10 लाख रुपए का इनाम रखा था। एजेंसी ने अनमोल के खिलाफ 2022 में दर्ज 2 मामलों में चार्जशीट दाखिल की है। अनमोल का नाम एनआईए की मोस्ट वांटेड लिस्ट में भी शामिल है।

पूर्व डीजीपी रश्मि शुक्ला मामले में कोर्ट का सुनवाई से इनकार

याचिकाकर्ताओं को मामले का राजनीतिकरण न करने की दी सलाह

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने राज्य की पूर्व पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है और याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे इस मामले का राजनीतिकरण न करें। चुनाव के दौरान चुनाव आयोग द्वारा वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को पुलिस महानिदेशक के पद से हटा दिया गया था और संजय वर्मा को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। फिलहाल, रश्मि शुक्ला को छुट्टी पर भेज दिया गया है। चुनाव आयोग ने आदेश दिया है कि शुक्ला को वापस सेवा में लिए बिना संजय वर्मा को पुलिस महानिदेशक के पद पर बरकरार रखा जाए। रश्मि शुक्ला रिटायर हो चुकी हैं। इसलिए उन्हें पद से हटाकर अनिवार्य अवकाश पर नहीं भेजा जा सकता है।

याचिकाकर्ताओं को सलाह

कांग्रेस की ओर से दायर याचिका में मांग की गई थी कि उन्हें सेवानिवृत्त घोषित किया जाए। हाई कोर्ट से अनुरोध किया गया कि यह याचिका तुरंत दायर की जाये, हालांकि, हाई कोर्ट ने 18 नवंबर को याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे इस मामले का राजनीतिकरण न करें।

कोविड केंद्र घोटाला : पाटकर को नहीं मिली जमानत

मुंबई। एक विशेष अदालत ने सोमवार को कथित कोविड उपचार केंद्र घोटाले में शिवसेना सांसद संजय राउत के सहयोगी एवं व्यवसायी सुजीत पाटकर को जमानत देने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने अपराध से धन अर्जित करने के लिए डॉक्टरों और कर्मचारियों की कम तैनाती करके 'लोगों के जीवन' के साथ खिलवाड़ किया। ईडी ने कहा कि पाटकर ने 'राजनीतिक रूप से सक्रिय व्यक्ति के साथ अपनी निकटता के कारण' महामारी के दौरान दहिसर और वर्ली जंबो कोविड सुविधाओं में चिकित्सा स्टाफ की आपूर्ति के लिए अपनी साझेदारी फर्म लाइफलाइन हॉस्पिटल मैनेजमेंट के लिए एक अनुबंध प्राप्त करने में कामयाबी हासिल की।

न्यूज़ ब्रीफ

बदलापुर पुलिस मुठभेड़

अक्षय शिंदे की हत्या को लेकर सीआईडी को फटकार

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को बदलापुर स्कूल में बच्चियों के यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी की 23 सितंबर को कथित पुलिस मुठभेड़ में हत्या की जांच में लापरवाही बरतने के लिए महाराष्ट्र सीआईडी को फटकार लगाई। अदालत ने शिंदे के हाथों पर गोली के निशान और उसे दी गई पानी की बोतल पर फिंगरप्रिंट न होने पहलुओं को 'असामान्य' बताया। अदालत ने सीआईडी को निर्देश दिया कि वह सुनिश्चित करे कि मामले की जांच दो सप्ताह में पूरी हो जाए और सभी प्रासंगिक सामग्री मजिस्ट्रेट को सौंप दी जाए। मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। पृथ्वीराज चव्हाण की पीठ के समक्ष अक्षय शिंदे के पिता अन्ना अमृत शिंदे की ओर से वकील अमीत कटरनवरे की दायर याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान पीठ ने कहा कि मामले की जांच को हल्के में लिया गया है और इसमें कई खामियां हैं। पीठ ने मृतक अक्षय शिंदे के हाथों पर गोली के निशान न होने और उसे दी गई पानी की बोतल पर फिंगरप्रिंट न होने पर भी सवाल उठाए और इन्हें 'असामान्य' बताया और मामले की जांच कर रहे मजिस्ट्रेट को सौंपी जाने वाली सामग्री एकत्र करने में देरी के लिए सीआईडी को फटकार लगाई। पीठ ने फोरेंसिक रिपोर्ट देखने के बाद कहा कि यह असामान्य है कि मृतक के हाथों पर गोली का कोई निशान नहीं पाया गया और पानी की बोतलों पर कोई फिंगरप्रिंट नहीं मिला।

अनिल देशमुख पर हमला

नागपुर से लौटते वक्त कार पर पथराव, सिर फटा

नागपुर। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी शरद गुट के नेता अनिल देशमुख पर हमला हुआ है। इस हमले में वो जख्मी हो गए हैं। उनका सिर फट गया है। देशमुख नागपुर काटोल में चुनावी सभा को संबोधित करके वापस लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी गाड़ी पर पथराव हुआ। पथराव किसने किया, अभी ये स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुंबई में नहीं छलकेंगे जाम

आयोग ने चुनाव प्रचार खत्म होते ही शराब की ब्रिकी पर लगाई रोक, चार दिन 'ड्राई डे' घोषित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के चलते मुंबई में इस हफ्ते चार दिन शराब बिक्री बंद रहेगी। ऐसे में मुंबईकर चार दिन जाम नहीं छलका पाएंगे। चुनाव आयोग के अनुसार मुंबई में इस वीक चार पूरे शहर में शराब की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी। आयोग के अनुसार ऐसा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए के लिए किया गया है। ड्राई डे का उद्देश्य व्यवधानों को कम करना और यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता शराब के प्रलोभन में नहीं आएं।आयोग के अनुसार ठाणे और पुणे सहित मुंबई और अन्य शहरों में 18 नवंबर की शाम 6 बजे के बाद शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा। 19 नवंबर को भी चुनाव से पहले ड्राई डे रहेगा और शराब नहीं मिलेगी। आयोग ने अपने आदेश में कहा है कि 20 नवंबर को चुनाव के पूरे दिन शराब की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी। वोटिंग खत्म होने के समय शाम 6 बजे बिक्री नहीं होगी। इसी प्रकार से 23 नवंबर को चुनाव आयोग द्वारा नतीजों की घोषणा किए जाने तक शाम 6 बजे तक आंशिक शराबबंदी जारी रहेगी।

मुंबई के साथ-साथ ठाणे और पुणे में लागू रहेगा यह आदेश

बीजेपी-कांग्रेस में पोस्टर वॉर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं...' स्लोगन पर प्रहार किए जाने के बाद बीजेपी ने भी पलटवार किया है। महाराष्ट्र बीजेपी ने राहुल गांधी द्वारा धारावी को लेकर रिलीज किए पोस्टर के जवाब में पोस्टर रिलीज किया है। इसमें बीजेपी ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि तेलंगाना में कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार ने अडानी के साथ चार एमओयू किए हैं। जिनका कुल मूल्य 12,400 करोड़ रुपये है। बीजेपी ने पोस्टर में गौतम अडानी की राबर्ट वाड्रा, शशि थरूर, ममता बनर्जी, के चंद्रशेखर राव, अशोक गहलोत और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ तस्वीरें दिखाते हुए लिखा है कि एक हैं तो सेफ हैं.... राहुल गांधी फेक है।

राहुल गांधी ने साधा था निशाना

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन मुंबई के बीकेसी में एक प्रेस कांफ्रेंस करते हुए बीजेपी पर बड़ा हमला बोला था। मुंबई के धारावी की जमीन अडानी समूह को रीडेवलपमेंट के लिए देने पर सवाल खड़े किए थे। राहुल गांधी ने कहा था कि पीएम मोदी के नारे का मतलब है कि एक अरबपति को बढ़ाया दिए जाए। बाद में राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था कि Safe कौन है?

कार्यवाही राजनीतिक दलों द्वारा अवैध होर्डिंग और बैनर लगाने के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश

चुनाव नतीजों के बाद अवैध होर्डिंग लगाने पर नकेल

मुनीब चौरसिया । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने चुनाव नतीजों के बाद अवैध होर्डिंग लगाने पर नकेल का राज्य सरकार, जिला पुलिस प्रमुखों और पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि वे राज्य विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद अवैध होर्डिंग के खिलाफ 'सतर्क' रहें और राजनीतिक दलों और उनके समर्थकों द्वारा अवैध होर्डिंग और बैनर लगाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कार्रवाई करें।

18 दिसंबर को मामले की अगली सुनवाई

18 दिसंबर को मामले की अगली सुनवाई रखी गई है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने सुस्वराज्य फाउंडेशन समेत कई संस्थाओं द्वारा दायर जनहित याचिकाओं पर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को यह भी निर्देश दिया कि वे पुलिस प्रमुखों को चुनाव नतीजों के बाद अवैध होर्डिंग के खतरे को रोकने में महानगर पालिकाओं और नगर पालिकाओं के सहायता के लिए आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराने का निर्देश दें। यह मामला सार्वजनिक स्थानों पर राजनीतिक दलों द्वारा लगाए गए अवैध होर्डिंग और बैनर पर जनहित याचिकाओं से संबंधित है। पीठ ने एक बार फिर राजनीतिक दलों को चेतावनी दी कि वे कोई भी अवैध होर्डिंग, बैनर या पोस्टर न लगाने के अपने वचन का पालन करें। पीठ ने इस बात पर अपनी नाराजगी व्यक्त की कि महानगरपालिका और नगर परिषद उसके निर्देशों का पालन करने में विफल रहे। पीठ ने कहा कि कुछ महानगरपालिका के अधिकारियों ने केवल एक दिन के लिए अभियान चलाया और कुछ हलफनामों पर अपेक्षित अधिकारियों द्वारा शपथ नहीं ली गई। मुख्य न्यायाधीश ने राज्य के वकीलों से टिप्पणी की कि आप न्यायालय को हल्के में क्यों लेते हैं? आप मामले को कमजोर कर रहे हैं। होर्डिंग हटाना किसका काम है? यह आपका कर्तव्य है। ऐसे मामले को अदालत में क्यों लाया जाना चाहिए? और आप हलफनामा दाखिल नहीं कर सकते। इस प्रकार अदालत ने 29 महानगरपालिका और नगर पालिकाओं समेत 392 नगर परिषदों को इस साल 9 अक्टूबर के अपने आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उनके द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। पीठ महानगर पालिका आयुक्तों को व्यक्तिगत रूप से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने इस मामले में सहायता करने के लिए महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ को बुलाया और अपनी निराशा व्यक्त की। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि अवैध होर्डिंग्स की जांच करने का वैधानिक कर्तव्य होने के बावजूद महानगर पालिका और नगर परिषद ऐसा करने में विफल रहे हैं। राज्य सरकार को कानून द्वारा जो भी अनिवार्य किया गया है, उसका पालन नहीं किया जा रहा है। जब अदालत हस्तक्षेप करती है और आपको कर्तव्यों की याद दिलाती है, तो आप न्यायिक अतिक्रमण की बात करते हैं।

पुणे मनपा उपायुक्त सहित 3 पर केस

पुणे। पुणे महानगरपालिका से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी की एमबीए की फर्जी डिग्री की मार्कशीट तैयार कर उसे सर्विस बुक में दर्ज करने के लिए देने की जानकारी सामने आई है। इस मामले में तत्कालीन शिक्षणाधिकारी व क्लर्क के साथ देने के आरोप में 3 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। पुणे महानगरपालिका के उपायुक्त सोमनाथ हरिभाऊ बनकर, तत्कालीन शिक्षणाधिकारी सुधाकर तांबे और क्लर्क राजेंद्र घारे व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सोमनाथ बनकर फिलहाल अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त है।

फर्जी मार्कशीट तैयार कर महापालिका से ठगी करने का आरोप

सिक्किम मणिपाल यूनिवर्सिटी से हासिल की फर्जी डिग्री

इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर रामचंद्र आल्हाट (54) ने शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। यह घटना पुणे महापालिका कार्यालय में 1 जनवरी 2008 से जनवरी 2016 के दौरान हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फिलहाल महापालिका के अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त रहे सोमनाथ बनकर 2008 में महानगरपालिका के डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर होस्टल के रेक्टर थे।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

कातिल सड़कें

वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। हाल ही में दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे पर पानीपत के निकट रॉन्ग साइड से आए एक ट्रक ने पांच लोगों की जान ले ली। बताया जाता है कि ड्राइवर नशे में था। रास्ते में जो आया उसे कुचलता चला गया। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। वे लोग जो अपने परिवारों के भरण-पोषण के संघर्ष में जुटे रहते हैं। जिनके लिये यह जीवनभर का दुख बन जाता है। वहीं कई घायल जीवनभर के लिये विकलांगता झेलने को अभिशप्त हो जाते हैं। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है। देश की इन कातिल सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। यह आंकड़ा भयावह है और इस गंभीरता को संबोधित करने की जरूरत बताता है। दरअसल, वर्ष 2014 से 2023 के बीच सड़क हादसों में 15.3 लाख लोग मारे गए। बताते हैं कि सड़क हादसों में मरने वाले लोगों में भारत दुनिया में शीर्ष पर है। यह हमारी व्यवस्था की नाकामी को भी उजागर कर रहा है कि क्यों हर साल डेढ़ लाख लोग मारे जा रहे हैं। सवाल उठाया जा सकता है कि आखिर भारत की सड़कों पर चलना जान हथेली पर लेकर चलने जैसा क्यों होता जा रहा है? आखिर दस साल में केंद्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ जैसे शहर की आबादी से ज्यादा लोग क्यों अकारण मौत के मुंह में चले जाते हैं? आखिर उन लोगों का क्या कसूर था कि उनके हिस्से में ऐसी दर्दनाक मौत आई? आखिर क्यों हम पूरी दुनिया में सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मरने वाले देश के रूप में जाने जाते हैं? ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़ा एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। हालांकि, देश में समय के साथ वाहनों की संख्या और सड़क निर्माण में भी वृद्धि हुई है, लेकिन दुर्घटनाओं का आंकड़ा कम नहीं हो रहा है। वर्ष 2012 में करीब 16 करोड़ गाड़ियां रजिस्टर्ड थी जो पिछले एक दशक में दुगनी हो गई हैं। लेकिन उस अनुपात में सड़कें नहीं बढ़ीं। जहां वर्ष 2012 में देश में भारतीय सड़कों की लंबाई 48.6 लाख किलोमीटर थी, तो वर्ष 2019 में यह 63.3 लाख किलोमीटर तक जा पहुंची थी। यहां यह विचारणीय प्रश्न है कि सड़क सुरक्षा के तमाम उपायों के बावजूद देश में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या कम क्यों नहीं हो रही है। इसके लिये ट्रैफिक व सामान्य पुलिस को सतर्क करने तथा यात्रियों को जागरूक करने की भी जरूरत है।

केंद्र और पंजाब के लिए सबक लेने का वक्त

ज्योति मल्होत्रा

मुझे गुरपुरब की सुबह जेएनयू के बेहतर प्रोफेसर सुरिंदर जोधका द्वारा किए ट्वीट में लिखे गुरु नानक देव जी के दो प्रमुख शब्द – 'निरभौ' (निर्भय) और 'निरवैर'–याद आ रहे हैं, उन्होंने आगे जोड़ा था : 'मैं उम्मीद करता हूं कि किसी तरह ये हमारे जीवन, हमारी बातचीत, हमारी राजनीति में समाहित हो सकें'। मानो उन्होंने बीते सप्ताह की शुरुआत में भाजपा नेता सुनील जाखड़ के साथ मेरे द्वारा किए साक्षात्कार शो को देखा हो (हालांकि उन्होंने ऐसा किया नहीं), जिसमें जाखड़ कई तरह के विचारों और भावनाओं से जूझते दिखाई दिए – अक्सर ऐसा लगा कि पूछे गए सवालों का जवाब देने के बजाय वे खुद से बात कर रहे हों। कुछ टिप्पणियां, निश्चित रूप से, उनकी अपनी अस्थिरता भरी राजनीतिक यात्रा के परिप्रेक्ष्य में थीं- पहले कांग्रेस में और बाद में भाजपा में रहने के दौरान, वहीं बहुत सी उस उथल-पुथल से संबंधित जिससे पंजाब अपने इतिहास के खास समय खुद को रूबरू पाता है, जिस व्यक्तिगत दुविधा से जाखड़ जूझते लगते हैं वे उससे कहीं बड़ी हैं। निश्चित रूप से, मार्क्सवादी विचारधारा के बारे में बहुत कुछ कहा जा सकता है, जिसमें माना जाता है कि समय के बृहद रंगमंच पर व्यक्ति की भूमिका महज एक अदने से पात्र की है – मानो यह कहने में मार्क्स ने नाटककार शेक्सपीयर से प्रेरणा ली हो- और निश्चित रूप से, पंजाब और दिल्ली, दोनों जगह, वर्तमान में नाटक के पात्र कभी-कभी वे अदने से लगते हैं, जिनकी परछाइयां असाधारण रूप से बहुत बड़ी दिखाई देती हैं, अलबत्ता एक भव्य कैनवास पर प्रतिबिंबित। लेकिन जैसा कि हम सभी जानते हैं, सुबह की मुलायम रोशनी में छायाएं नदारद रहती हैं। दोपहर तक, वे पैरों के नीचे, कुचले जाने को तैयार। दिन के किसी और समय, वे नगण्य होती हैं या कोई मायने नहीं रखतीं। तो आरंभ से शुरुआत करते हैं, जितना हम जान पाए। प्रथम, जाखड़ ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से कहा है कि वे अब राज्य पार्टी अध्यक्ष के रूप में काम नहीं कर पाएंगे। दूजा, वे कांग्रेस में भी नहीं लौटेंगे, जिस पार्टी में उन्होंने कई दशक काम किया, क्योंकि जैसा सुलूक कांग्रेस ने उनके साथ किया, उससे वे आहत हैं – हम जानते हैं कि कांग्रेस की एक अन्य दिग्गज पंजाबी नेत्री अंबिका सोनी ने कुछ साल पहले कहा था कि जाखड़ पंजाब के मुख्यमंत्री नहीं बन सकते 'क्योंकि वे हिंदू हैं' – और इसलिए भी क्योंकि जाखड़ को लगता है कि राहुल गांधी का पार्टी के गुटों पर 'कोई नियंत्रण नहीं' है। और फिर कुछ और बड़े सवाल भी थे – पार्टी की वफादारी और पार्टी हित से परे। प्रश्न हैं पहचान, आस्था, क्षमता और भरोसे को लेकर। उदाहरण के लिए, पंजाब में जब भाजपा अकाली दल की बैसाखी बिना लड़ती है तो अपने प्रभाव का विस्तार करने और सूबे के लोगों का विश्वास हासिल करने में असमर्थ क्यों रहती है? क्या अकाली दल का पराभव भाजपा से उसके घनिष्ठ संबंधों का परिणाम है या उसे अपने भीतर अन्य कारणों की तलाश करनी चाहिए? इससे ज्यादा, क्या पंजाब के बहुसंख्यकों को डर है कि आरएसएस-भाजपा 'निरभौ' और 'निरवैर' से पैदा खास समरसता वाले गुण को कमजोर करना और उनकी आस्था को देश के बहुसंख्यक वर्ग की आस्था की परिधि में लाना चाहती है? गुरपुरब पर, खास तौर पर महान गुरु की 555वीं जयंती पर ऐसे सवालों का घुमड़ना स्वाभाविक है। चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में स्थित नाडा साहिब गुरुद्वारे सहित समूचे इलाके के बहुत से गुरुद्वारों में, जब हिंदू एवं सिख – वास्तव में, अन्य धर्मों के लोग भी – धैर्यपूर्वक पंक्ति में लग पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शन पाने का इंतजार कर रहे होते हैं, तो आपके अंदर विचार आता है कि क्या वर्तमान पंजाब का समाज गुरु नानक के मंत्रमुग्धकारी सूत्र ('न कोय हिंदू/न कोय मुसलमान') को आत्मसात करने को राजी है। अर्थात, क्या राज्य की अधिसंख्य आबादी (करीब 57.7 फीसदी) सूबे का मुखिया कोई गैर-सिख होने देने को तैयार होगी? जरा कल्पना करें कि जब लोग कहते हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हिंदू भी ठीक रहेगा, क्योंकि हो सकता है वह एक बेहतर नेता हो – और यह कि कुछ समय पहले तक या शायद अभी भी, हिंदू परिवारों में पहला बेटा सिख धर्म को अर्पित करने की परंपरा थी। इस स्थिति में, इस धर्म की समझौताकारी और सहिष्णुता वाली क्षमता के बावजूद उस आशंका का क्या बनेगा कि इससे पहले यह अहसास हो कि वास्तव में गुरपुरब कार्तिक पूर्णिमा पर मनाया जाता है, वह आपको काफी पहले अपने अंदर मिला चुका होता। केवल मेरे जैसा कोई बाहरी व्यक्ति ही इस बात की पुष्टि कर सकता है कि पंजाब के समक्ष दर्जनों समस्याएं मुंह बाये खड़ी हैं – नशा, अपराध, जबरन वसूली, कनाडा को पलायन करते युवा और पीछे बचे बुजुर्ग और खाली गांव, भारी बेरोजगारी, कृषि पर अत्यधिक निर्भरता, गिरता भूजल स्तर, भूमि उर्वरता में असाधारण ह्रास, भ्रष्टाचार, यहां तक कि लुधियाना के उस सरकारी कॉलेज में पूर्णकालिक प्रिंसिपल को नियुक्त करने के लिए भी पैसे नहीं हैं, जिसने देश को सतीश धवन जैसा गणितज्ञ और एयरोस्पेस इंजीनियर देने के अलावा कई प्रतिभाशाली बेटे-बेटियां दीं – तथापि, पंजाबियों में एक मजबूती और आत्मविश्वास है, जिसका 545 सांसदों वाली लोकसभा में उनके सूबे से मात्र 13 सीटें होने से कोई लेना-देना नहीं।

जीवन मंत्र सत्येंद्र श्रीवास्तव

राह दिखा गए शास्त्रीजी

उनके शब्दों पर ध्यान दीजिए, कामयाबी के लिए 'हम' शब्द का प्रयोग है, जबकि नाकामी के लिए 'मैं'। ऐसी ईमानदार स्वीकारोक्ति विरल है। प्रधानमंत्री पद के अपने 19 महीने के कार्यकाल में 'छोटे कद' के शास्त्रीजी आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी लकीर खींच गए।

भारतीय राजनीति में 'सादा जीवन उच्च विचार' के प्रणेता लाल बहादुर शास्त्रीजी से एक बार पूछा गया कि वह अपनी मेज पर फूल के बजाय हरी घास क्यों रखते हैं? तो उनका जवाब था, 'फूल लोगों को आकर्षित करते हैं, पर वे कुछ दिनों में मुरझाकर गिर जाते हैं, जबकि घास आधार है, वह विपरीत परिस्थितियों में भी हरी रहती है। मैं लोगों के जीवन में घास की तरह रहना चाहता हूं।'

27 मई, 1964 को प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद कांग्रेस कार्यसमिति ने 2 जून की बैठक में शास्त्रीजी को सर्वसम्मति से संसदीय दल का नेता चुना था। इस संबंध में कुछ लोगों की शंकाओं का भान होने पर शास्त्रीजी ने कहा, 'प्रधानमंत्री का काम मुश्किल जरूर है, पर असंभव नहीं। कोशिश करते हैं, अगर हम कामयाब हुए, तो अच्छा ही है और नाकामयाब रहा, तो मैं इस्तीफा देकर चला जाऊंगा।'

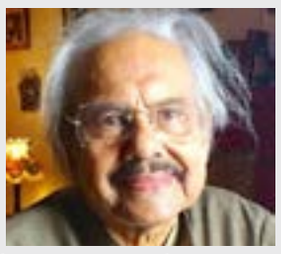

उनके शब्दों पर ध्यान दीजिए, कामयाबी के लिए 'हम' शब्द का प्रयोग है, जबकि नाकामी के लिए 'मैं'। ऐसी ईमानदार स्वीकारोक्ति विरल है। प्रधानमंत्री पद के अपने 19 महीने के कार्यकाल में 'छोटे कद' के शास्त्रीजी आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी लकीर खींच गए।

यह कितनी आश्चर्यजनक बात है कि एक व्यक्ति, जिसने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के संसदीय सचिव के रूप में की हो, तीन बार केंद्रीय मंत्री रहने के बाद प्रधानमंत्री बना हो, उसका जीवन इतना साधारण हो कि कार का लोन चुकाने के लिए पैसे न हो, गृह मंत्री रहने के बावजूद अपना गृह न हो, बेटा कॉलेज में प्रवेश के लिए लाइन में खड़ा हो! ऐसी बातें अब मात्र कहानियां हैं।

शास्त्री जी की गरीबी के बारे में बहुत कुछ पढ़ने-सुनने को मिलता है, पर शायद ही कभी उन्होंने स्वयं इसके बारे में कुछ कहा हो। बस विवाह के दिन 16 मई, 1928 को पत्नी ललिता से कहा, तुम एक संपन्न परिवार से हो, लेकिन जब मेरे साथ विवाह हो गया है, तो हमें अपने से नीचे हैसियत के लोगों का ध्यान रखना होगा। स्कूल के दिनों में उनके शिक्षक ने एक बार कहा था, 'गरीबी कोई गहना नहीं है, जिसका प्रदर्शन किया जाए।' यह बात शास्त्रीजी के जीवन का मूलमंत्र बन गई। उनमें विनम्रता थी, लेकिन दिखावटी नहीं थी और न ही वह किसी अभाव से पैदा हुई थी, बल्कि यह उनके पारिवारिक मूल्यों की सहज अभिव्यक्ति थी।

देश के प्रशासकों को प्रशिक्षित करने वाली संस्था का नाम है- लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी। इसका आदर्श वाक्य है- शीलं परम् भूषणम्, जो इस महान राजनेता के व्यक्तित्व को पूरी तरह प्रतिबिंबित करता है।

शख्सियत देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय

भारतीय दार्शनिकता और इतिहास के गहन चिंतक

देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय का जन्म 19 नवंबर 1918 को पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में हुआ था और उनका निधन 8 मई 1993 को हुआ। वे भारत के प्रख्यात दार्शनिक, इतिहासकार और लेखक थे। वे भारतीय दर्शन और विज्ञान के इतिहास के क्षेत्र में अपने अद्वितीय योगदान के लिए जाने जाते हैं। प्रारंभ से ही वे तर्क और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति समर्पित थे।

चट्टोपाध्याय ने कलकत्ता विश्वविद्यालय से अपनी शिक्षा पूरी की और जल्द ही भारतीय दार्शनिक परंपराओं पर अपनी गहरी पकड़ स्थापित की। उन्होंने भारतीय दर्शन के भौतिकवादी और वैज्ञानिक पहलुओं पर विशेष जोर दिया, जो मुख्यधारा की धार्मिक और आदर्शवादी सोच से अलग था। उनकी सबसे प्रसिद्ध कृति लोकायतः ए स्टडी इन इंडियन मटेरियलिज्म है, जिसमें उन्होंने भारतीय भौतिकवाद की गहन व्याख्या की। देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय ने दर्शन को समाज और विज्ञान के साथ जोड़ने की कोशिश की। उनका मानना था कि भारतीय परंपरा में न केवल आध्यात्मिकता, बल्कि वैज्ञानिक सोच भी प्राचीन काल से मौजूद थी। उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया कि भारतीय समाज में विज्ञान और तर्क का हमेशा एक महत्वपूर्ण स्थान रहा है। उनकी अन्य प्रमुख कृतियों में साइंस एंड सोसाइटी इन एंशिएंट इंडिया और हिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन इंडिया शामिल हैं। चट्टोपाध्याय ने भारतीय दर्शन और विज्ञान के बीच के संबंधों पर गहराई से प्रकाश डाला। वे न केवल एक दार्शनिक थे, बल्कि एक प्रगतिशील विचारक भी थे, जिन्होंने भारतीय इतिहास और संस्कृति को नए दृष्टिकोण से देखने का रास्ता दिखाया। उनकी सोच और लेखन ने भारतीय दार्शनिक परंपराओं को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ पुनः व्याख्यायित किया। देवीप्रसाद चट्टोपाध्याय का योगदान भारतीय दार्शनिकता, तर्क और वैज्ञानिकता के क्षेत्र में सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका जीवन और कार्य तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति प्रेरणा देते हैं।

जीवन ऊर्जा विल्हेम डिलथी: जन्म -19 नवंबर 1833 **जन्म**

हर व्यक्ति अपने समय का निर्माण करता है

विल्हेम डिलथी का जन्म 19 नवंबर 1833 को जर्मनी में हुआ और उनका निधन 1 अक्टूबर 1911 को हुआ। वे एक प्रख्यात दार्शनिक और इतिहासकार थे, जिन्होंने मानविकी और सामाजिक विज्ञान को समझने के लिए अनुभववादी दृष्टिकोण पर जोर दिया। उनके विचार आधुनिक दर्शन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

जीवन को समझने के लिए पहले उसे अनुभव करना जरूरी है। हर इंसान का दृष्टिकोण उसकी समझ का आधार होता है। इतिहास को समझना वर्तमान को सही मायने में जीने की कुंजी है। अनुभव वह शिक्षक है, जो हमें जीवन का गहरा अर्थ सिखाता है। सच्चा ज्ञान तभी मिलता है जब हम अपने अंदर झांकते हैं। भावनाएँ और तर्क साथ मिलकर जीवन को सुंदर बनाते हैं। इंसान का अस्तित्व उसकी आत्मा और सोच में है। हर व्यक्ति के अनुभव अनोखे होते हैं, उन्हें समझना हमारा कर्तव्य है। साहित्य और कला जीवन के सबसे गहरे अर्थ को उजागर करते हैं। आत्मा का अध्ययन करने से ही सच्ची मानवता का ज्ञान मिलता है। जो इतिहास को समझता है, वह खुद को समझने के एक कदम करीब

होता है। जीवन एक खुली किताब है, जिसे पढ़ने के लिए हर दिन नई कोशिश करनी चाहिए। सच्चा विकास अंदरूनी समझ और अनुभव से आता है। हर व्यक्ति अपने समय का निर्माण करता है। जीवन का अर्थ अपने अनुभवों के भीतर छिपा होता है। ज्ञान केवल तथ्यों से नहीं, अनुभवों और भावनाओं से आता है। विचारों का आदान-प्रदान ही मानवता की सबसे बड़ी शक्ति है। साहित्य मानवता के अनुभवों का खजाना है। हर जीवन का अपना उद्देश्य और महत्व होता है। जो लोग अपने अतीत से नहीं सीखते, वे भविष्य नहीं बना सकते। आत्मा की गहराई में जाकर ही सच्चा परिवर्तन आता है। हर अनुभव एक नई सीख लेकर आता है। जीवन का मूल्य इसकी गहराई और अर्थ में है, न कि बाहरी सफलता में। मानवता का सच्चा आधार एक-दूसरे को समझने में है। सच्चा ज्ञान केवल उन लोगों को मिलता है जो सवाल पूछने से नहीं डरते।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

परहित सरिस धर्म नहीं भाई, पर पीड़ा सम नहीं अधमाई

एक बार भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन भ्रमण के लिए कहीं निकले थे तो उन्होंने मार्ग में एक निर्धन ब्राह्मण को भिक्षा मांगते देखा तो अर्जुन को उस पर दया आ गयी और उन्होंने उस ब्राह्मण को स्वर्ण मुद्राओ से भरी एक पोटली दे दी जिसे पाकर ब्राह्मण प्रसन्नता पूर्वक अपने सुखद भविष्य के सुन्दर स्वप्न देखता हुआ घर की ओर लौट चला किन्तु उसका दुर्भाग्य उसके साथ चल रहा था राह में एक लुटेरे ने उससे वो पोटली छीन ली ।बेचारा वह ब्राह्मण दुखी होकर फिर से भिक्षावृत्ति में लग गया।

अगले दिन फिर अर्जुन की दृष्टि जब उस ब्राह्मण पर पड़ी तो उन्होंने उससे इसका कारण पूछा ब्राह्मण ने सारा विवरण अर्जुन को बता दिया उसकी व्यथा सुनकर अर्जुन को फिर से उस पर दया आ गयी अर्जुन ने अपने मन में विचार किया और इस बार उन्होंने ब्राह्मण

को एक मूल्यवान एक माणिक दे दिया ब्राह्मण उसे लेकर घर पंहुचा। उसके घर में एक पुराना घड़ा था जो बहुत समय से प्रयोग नहीं किया गया था।

ब्राह्मण ने चोरी होने के भय से माणिक उस घड़े में छुपा दिया किन्तु उसका दुर्भाग्य दिन भर का थका मांदा होने के कारण उसे नींद आ गयी इस बीच ब्राह्मण की स्त्री नदी में जल लेने चली गयी किन्तु मार्ग में ही उसका घड़ा टूट गया उसने सोचा घर में जो पुराना घड़ा पड़ा है उसे ले आती हूँ ऐसा विचार कर वह घर लौटी और उस पुराने घड़े को ले कर चली गई और जैसे ही उसने घड़े को नदी में डुबोया वह माणिक भी जल की धारा के साथ बह गया ब्राह्मण को जब यह बात पता चली तो अपने भाग्य को कोसता हुआ वह फिर भिक्षावृत्ति में लग गया।

अर्जुन और श्री कृष्ण ने जब फिर उसे इस दरिद्र अवस्था में देखा तो जाकर उसका कारण पूछा सारा वृतांत सुनकर अर्जुन को बड़ी हताशा हुई और मन ही मन सोचने लगे इस अभागे ब्राह्मण के जीवन में कभी सुख नहीं आ सकता उसके बाद भगवान श्री कृष्ण ने कुछ विचार कर ब्राह्मण को दो पैसे दान में दिए यह देख अर्जुन ने उनसे पुछा "प्रभु मेरी दी मुद्रायें और माणिक भी इस अभागे की दरिद्रता नहीं मिटा सके तो इन दो पैसों से इसका क्या होगा।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

असफलता के कारणों को खाजें

इंसान जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए बहुत मेहनत करता है। लेकिन जब वह सफल नहीं हो पता है तो निराश हो जाता है और मेहनत करना छोड़ देता है। इस बात को अगर दूसरे नजरिए से देखा जाए तो हमारे जीवन में आने वाली असफलताएं हमें तजुर्बा देती हैं और गलतियां करने से बचाती हैं। इसलिए इंसान को कभी मायूस नहीं होना चाहिए, उसे मेहनत करते रहना चाहिए। एक दिन ऐसा आएगा कि मेहनत का फल सफलता में बदल जाएगा। ऐसी ही कहानी है रोहित की। रोहित ने बड़े उत्साह से परीक्षा की तैयारी की। इसके बावजूद वह टॉप नहीं कर पाया और वह बहुत उदास व निराश रहने लगा। असफलता के गम में उसने पहले की तरह प्रयास करना छोड़ दिया। रोहित की इस परेशानी का पता जब उसके अध्यापक को पता लगा, जो उसके मार्गदर्शक थे तो उन्होंने एक दिन उसे अपने घर बुलाया। उन्होंने रोहित से परेशानी की वजह पूछी। रोहित ने उन्हें बताया की 'उसने दिन रात मेहनत की पर जैसा वो चाहता था वैसे नतीजे नहीं आए इसलिए वो हताश हो चुका है। रोहित की बात सुनने के बाद अध्यापक ने उसे अपने साथ बगीचे में चलने के लिए कहा। वो उसे टमाटर के पौधों के पास ले गए और बोले की इस टमाटर के इस खराब और मरे हुए पौधे को देखो।जब मैंने इस पौधे को बोया था तो मैंने इसे समय-समय पर सही मात्रा मे पानी दिया, खाद भी डाली और कीटनाशक का छिड़काव भी किया, पर फिर भी यह खराब हो गया। तो क्या?, रोहित बोला। इतनी सारी मेहनत, इतना पैसा और समय देने के बाद भी अगर जैसा रिजल्ट हम चाहते हैं वो न मिल पाए तो इतना सब कुछ करने से क्या फायदा है। अध्यापक बोले ऐसा नहीं है और उन्होने एक दरवाजे की तरफ इशारा करते हुए कहा की एक बार जरा इस दरवाजे को खोल कर देखो। रोहित ने दरवाजे को खोला और देखा की सामने बड़े-बड़े टमाटरों के ढेर पड़े हुए थे। उसने पूछा की, ये सब कहां से आए? अध्यापक बोले, टमाटर के एक पौधे के खराब होने का मतलब यह नहीं है कि सभी पौधे खराब हो गए। इसी तरह तुमने मेहनत तो की पर टॉप नहीं कर पाए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की तुम्हारी दिन रात की मेहनत खराब गई और तुम असफल हो गए। परीक्षा देते समय कई चीजें मायने रखती हैं, जिसमें लिखने की स्पीड, तबीयत, मनोस्थिति और भी बहुत कुछ जो सिर्फ मेहनत का पैमाना नहीं है। जो तुमने सीखा वो जिंदगी के हर मोड़ पर काम आएगा । मेहनत करने के बावजूद मनचाहा न मिलने का मतलब यह नहीं है की आप असफल हो गए। इसका मतलब है की आपने सफलता तक पहुचने की एक और सीढ़ी चढ़ी है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

शादी समारोह में पसरा मातम, नाराज शख्स ने 7 रिश्तेदारों पर चढ़ा दी कार

दौसा। राजस्थान के दौसा से एक बड़ी घटना की जानकारी सामने आई है। दरअसल, यहां पर एक शादी समारोह में उस वक्त मातम पसर गया, जब एक व्यक्ति ने अपनी कार से सात लोगों को कुचल दिया। पूरा मामला पटाखों को जलाने से शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि एक शादी समारोह में दूल्हे की तरफ से शामिल होने के लिए आए एक शख्स का दुल्हन के रिश्तेदारों के साथ पटाखे फोड़ने को लेकर झगड़ा हो गया। इस झगड़े के बाद शख्स ने वहां मौजूद सात लोगों को अपनी कार से कुचल दिया।

'हमसे पूछे बिना प्रतिबंध न हटाएं', प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-NCR रीजन में सरकारों को निर्देश दिया है कि प्रदूषण की गंभीर स्थिति देखते हुए 12वीं तक के स्कूल बंद करने पर फैसला लें। AQI का स्तर नीचे लाने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) स्टेज 3 और स्टेज 4 के सभी जरूरी प्रतिबंधों को लागू किया जाए। इसी मुद्दे पर सोमवार सुबह जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने केंद्र सरकार से पूछा कि स्टेज 3 की पाबंदियां लागू करने में आपने देरी क्यों की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आप हमारी इजाजत के बगैर GRAP स्टेज 4 से नीचे नहीं आएंगे। भले ही AQI 300 से नीचे ही क्यों ना आ जाए। कोर्ट ने 12वीं तक के फिजिकल क्लासेस बंद करने पर भी जल्द फैसला लेने को कहा।

सीएम पिनरई विजयन पर बरसी कांग्रेस और IUML

कोच्चि। केरल के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन की तरफ से इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के सुप्रीमो पनक्कड़ सादिक अली शिहाब थंगल को लेकर दिए बयान पर कांग्रेस ने सख्त तेवर दिखाया है। इतना ही नहीं आईयूएमएल ने भी विजयन को खरी-खरी सुनाई और उन पर सांप्रदायिक ताकतों का साथ देने का आरोप लगाया है। केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने भाजपा के पूर्व नेता संदीप वारियर के कांग्रेस में शामिल होने के बाद उनके इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के शीर्ष नेताओं से मिलने पर निशाना साधा था। एक तरफ जहां विजयन ने वारियर का नाम लिए बिना उन पर आईयूएमएल के महिमामंडन का आरोप लगाया तो दूसरी तरफ उन्होंने आईयूएमएल सुप्रीमो शिहाब थंगल की भी आलोचना करते हुए कहा कि वह जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता की तरह काम कर रहे हैं।

कर्नाटक के मंत्री ने भाजपा पर फिर लगाया विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप

बेंगलुरु। कर्नाटक में एक बार फिर विधायकों की खरीद-फरोख्त का मामला उठा है। इस बार यह आरोप कर्नाटक सरकार में गृह मंत्री और कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर की तरफ से लगाया गया है। उन्होंने कहा, 'भाजपा अभी भी विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है। वह ऐसा करती रहती है। यह सच भी हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह करोड़ों में हो रहा है। अगर हमें सही दस्तावेज मिलते हैं तो हम इस मामले की जांच करेंगे।'

केजरीवाल के 'हनुमान' बीजेपी में शामिल

कैलाश गहलोत ने रविवार को ही आतिशी कैबिनेट और पार्टी से दिया था इस्तीफा

एजेंसी । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (AAP) और दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री पद से इस्तीफा देने के 24 घंटे बाद कैलाश गहलोत सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर मौजूद थे।

रविवार को छोड़ी थी पार्टी

इससे पहले कैलाश गहलोत ने रविवार को पार्टी छोड़ दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि लोगों के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता उसकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं में पीछे छूट गई है। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को भेजे अपने त्यागपत्र में गहलोत ने कहा था लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने के बजाय हम केवल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए लड़ रहे हैं।

क्या बोले अरविंद केजरीवाल?

अरविंद केजरीवाल से जब कैलाश गहलोत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह आजाद हैं। वहा जहां जाना चाहते हैं जा सकते हैं।

'मैंने ED-CBI के दबाव में AAP नहीं छोड़ी'

भाजपा में शामिल होने के बाद कैलाश गहलोत ने कहा- 'लोग सोचते होंगे कि रातों-रात ये फैसला ले लिया। किसी के दबाव में आकर फैसला लिया, लेकिन मैं बता दूं कि मैंने जीवन में कभी दबाव में कोई काम नहीं किया है। सुनने में आ रहा है कि ED, CBI के दबाव में मैंने ऐसा कर दिया, लेकिन ऐसा नहीं है। वकालत छोड़कर मैं आम आदमी पार्टी से जुड़ा। अन्नाजी के वक्त से जुड़ा था। हजारों-लाखों कार्यकर्ताओं ने अपनी नौकरी और काम छोड़ा। हम एक विचारधारा से जुड़े, एक पार्टी और एक व्यक्ति में हमें उम्मीद दिखी थी। लगातार दिल्लीवासियों की सेवा के मकसद से जुड़ा था, राजनीति से जुड़ने का सिर्फ यही मकसद था। जब अपनी आंखों के सामने जिन मूल्यों के लिए पार्टी जॉइन की थी, उनके साथ समझौता होते देख रहा हूं। कष्ट होता है। मेरी पीड़ा है और हजारों-लाखों कार्यकर्ताओं की यही भावना है। आम आदमी की सेवा के लिए जुड़े थे, लेकिन वो सभी आम आदमी लगता है कि खास हो गए हैं।

'सरकार चलाना हमारा काम नहीं'

सुभाष चंद्र बोस से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करने से SC का इनकार

एजेंसी । नई दिल्ली

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु की जांच की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया। 'सरकार चलाना कोर्ट का काम नहीं' न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान की पीठ ने इस मामले पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि यह ऐसा मामला नहीं है जिस पर न्यायालय निर्णय कर सके। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम हर चीज के विशेषज्ञ नहीं हैं। आप राजनीतिक कार्यकर्ता हैं ना, अपनी पार्टी में जाइए और मुद्दा उठाइए। सुप्रीम कोर्ट हर चीज की दवा नहीं है। जस्टिस कांत ने कहा, 'सरकार चलाना कोर्ट का काम नहीं है।'

कोर्ट में याचिकाकर्ता ने क्या दी दलील?

याचिकाकर्ता पिनाकी पाणि मोहंती ने याचिका दाखिल कर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत की जांच के आदेश देने की मांग की थी। वहीं, उन्होंने घोषणा करने की मांग की थी कि आजाद हिंद फौज की वजह से भारत को स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी।' याचिकाकर्ता ने कहा कि नेताजी के लापता होने पर कोई अंतिम परिणाम नहीं मिला। उनकी मृत्यु एक रहस्य है. उनकी मृत्यु 1945 में विमान दुर्घटना में नहीं हुई थी। याचिकाकर्ता की इस दलील पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा आपको उचित मंच पर जाना चाहिए। एक आयोग सही था या दूसरा यह मुद्दा नीति के बारे में है।

शर्मनाक : स्कूल एसेंबली में लेट पहुंची 18 बच्चियां, टीचर ने काट दिए बाल

एजेंसी । अल्लूरी सीताराम राजू

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के एक स्कूल में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। शिक्षिका ने सुबह की प्रार्थना सभा में देर से पहुंचने वाली छात्राओं के बाल कथित तौर पर काट दिए। इस घटना से विवाद खड़ा हो गया। छात्राओं के साथ मारपीट भी की गई और सजा के तौर पर उन्हें धूप में खड़ा कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, उसने छात्रों से यह भी कहा कि वे इस घटना के बारे में किसी को न बताएं। यह घटना कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में घटी। स्कूल एक आवासीय बालिका माध्यमिक विद्यालय है। आरोपी शिक्षक की पहचान साईं प्रसन्ना के रूप में की गई है। शिक्षिका पर छात्राओं की सुरक्षा खतरे में डालने का आरोप है।

छात्राओं के साथ मारपीट की गई और सजा के तौर पर कर दिया धूप में खड़ा

आरोपी शिक्षिका से मांगा गया स्पष्टीकरण

प्रसन्ना ने कथित तौर पर 18 विद्यार्थियों के बाल काट दिए, जो पानी की कमी के कारण सुबह की सभा में देर से पहुंचे थे। प्रसन्ना ने कथित तौर पर चार छात्रों के साथ मारपीट भी की और उन्हें बाहर धूप में खड़ा रखा। रिपोर्ट के अनुसार, उसने छात्रों से यह भी कहा कि वे इस घटना के बारे में किसी से कुछ न कहें। यह घटना तब लोगों के सामने आई छात्रों ने अपने अभिभावकों से इसकी शिकायत की। प्रसन्ना ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने छात्रों में अनुशासन स्थापित करने के लिए यह कदम उठाया। विभाग ने आरोपी शिक्षिका से स्पष्टीकरण मांगा है।

शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने कर दिया दिल्ली कूच का ऐलान

एजेंसी । नई दिल्ली

पिछले 9 महीने से शंभू बार्डर पर डटे किसानों ने दिल्ली कूच का ऐलान कर दिया है। किसानों ने आज चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि वह 6 दिसंबर को दिल्ली कूच करेंगे। किसान नेताओं सरवन सिंह पंढेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि वह 26 नवंबर को भूख हड़ताल पर बैठेंगे। जिस दिन खनोरी बॉर्डर पर भूख हड़ताल पर बैठेंगे, उस दिन से सरकार को 10 दिन का समय दिया जाएगा। अगर कोई हल निकला तो ठीक, नहीं तो 6 दिसंबर को दिल्ली कूच करेंगे। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार ने दिल्ली में आंदोलन समाप्त करते समय किसानों की मांगों को लिखित रूप से स्वीकार कर लिया था, लेकिन अभी तक मांगों को पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आवश्यक डीएपी उपलब्ध कराने में भी विफल हो रही है।

ट्रैक्टर-ट्रालियों में नहीं, इस बार पैदल ही जायेंगे

सरवन सिंह पंढेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि कोर्ट के आदेशों के बावजूद बार्डर नहीं खोला गया है। वह 9 महीने से चुप बैठे हैं, सरकार ने कोई समाधान नहीं किया है। उन्होंने कहा कि 6 दिसंबर को शंभू बॉर्डर से किसान एकजुट होकर दिल्ली की ओर पैदल मार्च करेंगे। वह इस बार पैदल ही दिल्ली की ओर कूच करेंगे। इस दौरान किसान ट्रैक्टर और ट्राली लेकर आगे नहीं बढ़ेंगे। पंजाब, हरियाणा और अन्य राज्यों के किसान संगठनों को दिल्ली कूच की जानकारी दी गई है और जल्द ही किसान संगठन शंभू बॉर्डर पर एकजुट होंगे।पंधेर ने सरकार से मांग की कि उन्हें दिल्ली में प्रदर्शन के लिए जगह दी जाए।

26 नवंबर से भूख हड़ताल शुरू करेंगे डल्लेवाल

सरकार से अपनी मांगें पूरी करवाने को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 26 नवंबर से भूख हड़ताल शुरू करेंगे। किसान मजदूर मोर्चा (भारत) और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेताओं ने किसान भवन चंडीगढ़ में दो दिन पहले यह ऐलान किया था।जगजीत सिंह डल्लेवाल खनौरी सीमा मोर्चे पर आमरण अनशन पर बैठेंगे और अंतिम सांस तक अनशन जारी रखेंगे। यदि अनशन के दौरान डल्लेवाल की जान जाती है, तो इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार जिम्मेदार होगी।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है मामला

फसलों के एमएसपी सहित कई मांगों को लेकर किसानों ने पिछले साल आंदोलन शुरू किया था। अपनी मांगों को लेकर पंजाब के किसान फरवरी में दिल्ली कूच के लिए निकले थे। हरियाणा में उन्हें रोक लिया गया था, तब से किसान शंभू बॉर्डर पर मोर्चा लगाए बैठे हैं। बॉर्डर बंद होने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है।

मेडिकल कॉलेज में MBBS छात्र की रैगिंग, हुई मौत

सीनियर्स ने तीन घंटे खड़ा रखा, बेहोश हुआ, 15 पर FIR, कॉलेज से सस्पेंड

एजेंसी । पाटन

गुजरात में पाटन जिले के GMERS मेडिकल कॉलेज में फर्स्ट ईयर के एमबीबीएस छात्र की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मृत छात्र समेत अन्य जूनियर छात्रों की सीनियर्स ने रैगिंग की थी। इस दौरान सीनियर स्टूडेंट्स ने छात्र को 3 घंटे तक खड़ा रखा, जिसके बाद वह बेहोश हो गया। इलाज के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना 16 नवंबर की है। इस मामले में कॉलेज के 15 सीनियर छात्रों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इन सभी छात्रों को कॉलेज से सस्पेंड कर दिया गया है। इसके बाद कॉलेज में तुरंत एंटी रैगिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें जूनियर छात्रों के बयान लिए गए, जिसमें रैगिंग का खुलासा हुआ।

छात्र की मौत का कारण अंदरूनी चोटें

सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और छात्र को अस्पताल ले गई। बयान देने के बाद छात्र ने दम तोड़ दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। अस्पताल के डॉ. जयेश पांचाल ने आशंका जताई कि छात्र की मौत का कारण अंदरूनी चोटें हो सकती हैं।

सीनियर्स ने इंट्रोडक्शन लिया

पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम अनिल मेथानिया था। इसी साल उसने GMERS मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिया था। वह फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था। हॉस्टल में सेकेंड ईयर के स्टूडेंट्स ने उसे इंट्रोडक्शन के लिए तीन घंटे तक खड़ा रखा। गाना गाने और डांस करने के लिए मजबूर किया गया, जिसके बाद अनिल बेहोश हो गया। उसे हॉस्पिटल ले जाया गया। अनिल ने सारी बात पुलिस को बताई। बयान देने के तुरंत बाद उसकी मौत हो गई।

मृतक के भाई ने न्याय की मांग की

अनिल के चचेरे भाई धर्मेंद्र ने बताया कि उनका परिवार गुजरात के सुरेन्द्रनगर जिले में रहता है। एक महीने पहले ही अनिल ने धारपुर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिया था। कल कॉलेज से फोन आया और कहा गया कि अनिल बेहोश हो गया है, उसे हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। धर्मेंद्र ने कहा- जब हम पहुंचे, तो डॉक्टर ने बताया कि उसकी मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद ही हकीकत का पता चलेगा। सरकार और कॉलेज से हमें न्याय चाहिए।

मणिपुर हिंसा : स्कूल-कॉलेज बंद, 5000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

अमित शाह की हाई-लेवल मीटिंग

एजेंसी । नई दिल्ली

मणिपुर में शनिवार रात भड़की हिंसा के बाद स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। जिरिबाम जिले में रविवार को एक मैतेई प्रदर्शनकारी की पुलिस की गोली से मौत हो गई थी। इसके बाद हालात और खराब हो गए हैं। इसे देखते हुए राज्य के स्कूलों में में 2 दिन के लिए छुट्टी कर दी गई है। गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को राज्य के सुरक्षा हालात का रिव्यू करेंगे। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) मणिपुर हिंसा से जुड़े 3 मामलों की जांच करेगी।

5000 से अधिक कर्मियों को भेजा जाएगा मणिपुर

केंद्र सरकार ने मणिपुर में 5,000 से अधिक कर्मियों वाली अतिरिक्त 50 सीएपीएफ कंपनियां भेजने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 20 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों, सीआरपीएफ से 15 और बीएसएफ से पांच को राज्य में भेजा है।

राज्य में 218 सीएपीएफ कंपनियां मौजूद

इस सप्ताह तक अतिरिक्त 50 कंपनियों को मणिपुर भेजने का आदेश दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि 35 इकाइयां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से ली जाएंगी, जबकि बाकी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) से होंगी। फिलहाल, राज्य में कुल 218 सीएपीएफ कंपनियां मौजूद हैं। जिरीबाम जिले में हिंसा भड़कने और अन्य स्थानों पर फैलने के बाद 12 नवंबर को जारी एक आदेश के बाद गृह मंत्रालय (एमएचए) ने 20 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियों, सीआरपीएफ से 15 और बीएसएफ से पांच को राज्य में भेजा।

हृदय रोगियों के सीने में सूजन बढ़ा रहा प्रदूषण

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अध्ययन में सामने आई जानकारी

एजेंसी । न्यूयॉर्क/नई दिल्ली

एक अध्ययन में हृदय रोगियों को लगातार बढ़ रहे वायु प्रदूषण से बचने की हिदायत दी गई है। इसमें कहा गया है कि खराब होती वायु गुणवत्ता दिल के मरीजों के सीने में सूजन बढ़ा सकती है। धीरे-धीरे इस सूजन के असर से पूरा शरीर भी प्रभावित हो सकता है। शिकागो में अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेश किए गए अध्ययन में ये जानकारी सामने आई है।

पर्यावरण के अनुसार नहीं ढल पा रहे

प्रमुख शोधार्थी प्रोफेसर बेंजामिन हॉर्न ने कहा, वायु प्रदूषण के कारण सीने में बढ़ी दो प्रकार की सूजन का असर सिर्फ हृदय रोगियों में ही देखा गया। स्वस्थ लोगों पर इसका असर देखने को नहीं मिला। इससे यह पता चलता है कि हृदय रोगी पर्यावरण में तेजी से हो रहे बदलावों के अनुसार ढल नहीं पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि पर्यावरण में बदला बहुत तेजी से हो रहा है।

सूजन के दो घातक प्रकार

अमेरिका की सॉल्ट लेक सिटी में स्थित हेल्थकेयर कंपनी इंटरमाउंटेन हेल्थ के शोधार्थियों ने यह अध्ययन किया है। इसमें कहा गया है, हृदय रोगी वायु प्रदूषण के प्रभावों के प्रति बहुत ज्यादा संवेदनशील पाए गए हैं। शोधार्थियों ने कहा, हमने पाया कि अधिक प्रदूषण वाले इलाकों में रहने वाले हृदय रोगियों के सीने में सूजन के दो घातक प्रकार बढ़े हुए हैं, जिन्हें सीसीएल27 और आईएल-18 कहा जाता है। ये दोनों ही शरीर के अन्य हिस्सों में फैलने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, यह पहले से पता है कि वायु प्रदूषण हृदय रोगियों के लिए घातक होता है पर इस कारण सीने में सूजन के संबंध में पहले कोई अध्ययन नहीं हुआ था।

इस तरह किया अध्ययन

इस अध्ययन के लिए विभिन्न शहरों में मौजूद हृदय रोगियों के स्वास्थ्य डाटा का विश्लेषण किया गया और इनमें से कुछ के खून के नमूने एकत्रित किए। शोधकर्ताओं ने 115 प्रकार के प्रोटीनों पर प्रदूषण का असर जानने के लिए रक्त परीक्षण किए। उन्होंने पाया, अधिक प्रदूषित शहरों में रहने वाले हृदय रोगियों में सूजन की समस्या ज्यादा थी। वहीं, जिन शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहतर था, वहां के हृदय रोगियों पर सूजन की समस्या नहीं थी।

दिल्ली-एनसीआर में भी बढ़ा खतरा

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई के लगातार बढ़ने से हृदय रोगियों के लिए समस्या बढ़ सकती है। दरअसल, अमेरिका की बीएमजी पत्रिका में हाल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में गया है कि एक्यूआई का 400 से ज्यादा होना हृदय रोगियों के लिए खतरनाक है। इतने एक्यूआई में पीएम 2.5 की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। वायु प्रदूषण में मौजूद ये छोटे-छोटे कण सांस के जरिये खून में जाते हैं। यह हृदय के आसपास की नसों में जमने लगते हैं। पीएम 2.5 और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) जैसे प्रदूषक तत्व ज्यादा खतरनाक होते हैं। इससे हृदय के आसपास खून जमने की शिकायत हो सकती है।

भारतीय सेना ने मनाया केपांग ला दिवस

1962 के भारत-चीन युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले नायकों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी । ईटानगर

भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले गेलिंग में केपांग दिवस मनाया। इस दौरान भारतीय सेना की स्पीयर कोर ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। सोमवार को एक विज्ञप्ति में सेना ने बताया कि यह दिवस रविवार को चीन के साथ युद्ध के दौरान भारतीय सेना के साथ मजबूती से खड़े रहने वाले ग्रामीणों की याद में मनाया गया। इन ग्रामीणों की वीरगाथा को भी याद किया गया। सियांग घाटी में केपांग ला दर्रा भारत की शौर्य विरासत का अभिन्न हिस्सा है। केपांग ला भारतीय सैनिकों और ग्रामीणों के बलिदान का साझा प्रतीक है।

गेलिंग मठ में प्रार्थना भी की गई

शहीदों को पुष्पांजलि और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके आलावा सेना और ग्रामीणों के बीच पवित्र बंधन का प्रतीक ऐतिहासिक गेलिंग मठ में प्रार्थना भी की गई। सेना ने उन ग्रामीणों के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपने पूर्वजों के साहस और एकता को पहचाना और भारतीय सेना के साथ खड़े रहे हैं।

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

खबर संक्षेप

शराब के साथ धराए सरकारी स्कूल के हेडमास्टर

भागलपुर। बिहार में एकतरफ जहां पूर्ण शराबबंदी है तो वहीं दूसरी ओर भागलपुर के पुलिस जिला नवगछिया में हेडमास्टर को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपित कदवा थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय चांय टोला खैरपुर के प्रधानाध्यापक पवन कुमार मंडल हैं। जिन्हें पुलिस ने देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपित शिक्षक इस पूरे मामले को अपने खिलाफ साजिश करार दे रहे हैं। सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक पवन कुमार मंडल को पुलिस ने शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। बताया गया कि उनके घर के पास ही एक बासा है जहां वो पशुपालन भी करते हैं। बासा पर गाय बंधी रहती है। बासा पर से ही रविवार की रात में पवन कुमार की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने बासा पर छापेमारी की तो पांच लीटर देशी शराब बरामद किया गया।

अधिकारियों की नहीं सुन रहे एसपी

रांची। झारखंड में इन दिनों पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों की बात कई जिलों के एसपी नहीं सुन रहे हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा कई मामलों में रिपोर्ट मांगने के बावजूद जिलों के एसपी द्वारा समय पर पुलिस मुख्यालय को रिपोर्ट नहीं भेजी जा रही है। इस कारण पुलिस मुख्यालय को न तो मामले की जानकारी समय पर मिल रही है और न ही समय पर इसकी समीक्षा हो रही है। पुलिस मुख्यालय द्वारा कुछ मामलों में रिमाइंडर भेजकर रिपोर्ट नहीं भेजने की वजह से खेद प्रकट किया जा चुका है। बावजूद इसका कोई विशेष असर नहीं पड़ रहा है। झारखंड के अलग-अलग न्यायालयों से लंबित वारंट, कुर्की और इश्तेहार की जानकारी हाइकोर्ट एसएसीएमएस के मेंबर सेक्रेटरी ने चार अक्तूबर 2024 को डीजीपी को पत्र लिखकर दिया था। इसमें लिखा था कि लंबित वारंट के निष्पादन की दिशा में त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया जाये। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने नौ अक्तूबर 2024 को सभी जिलों के एसपी को पत्र लिखकर कार्रवाई का निर्देश दिया।

सेक्स रैकेट का खुलासा

मेरठ। मेरठ के मंगलपांडेनगर में द-सीजर्स फैमिली यूनिसेक्स सैलून/स्पा सेंटर पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने छापा मारकर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया। टीम ने वहां से कई आपत्तिजनक सामान बरामद किए हैं। दो संचालिका समेत 16 लोगों की गिरफ्तारी की गई है। इनमें नौ महिलाएं हैं। आरोपियों से पूछताछ हो रही है। एक बैंककर्मी ने चार दिन पहले इस बारे में एसएसपी से शिकायत की थी। बताया था कि उसे हनीट्रैप में फंसाकर स्पा सेंटर पर बुलाया और यहां वीडियो बना ली। इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया जा रहा था और पांच लाख रुपये वसूले गए।

आरोपियों के घर बुलडोजर कार्रवाई पर हाईकोर्ट की राहत

सरकार ने दाखिल किया जवाब

एजेंसी । बहराइच

यूपी में बहराइच में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई हिंसा के बाद जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों पर हाईकोर्ट ने राहत दी है। जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अगली सुनवाई 27 नवंबर को नियत की है। मामले में राज्य सरकार ने कोर्ट से मांगा गया जवाब दाखिल कर दिया है। याची ने इसका प्रतिउत्तर भी पेश कर दिया है। सुनवाई के समय याची का प्रति उत्तर रिकार्ड (फाइल) पर नहीं था। इस पर कोर्ट ने अपने दफ्तर को इसे रिकार्ड पर रखने का आदेश दिया। हालांकि, मामले में कोर्ट ने अभी कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया है। फिलहाल ध्वस्तीकरण नोटिस मामले में 27 नवंबर तक कथित अतिक्रमणकर्ताओं को राहत रहेगी। इससे पहले छह नवंबर को कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को मौखिक निर्देश दिया था। सरकार फिलहाल ऐसी कोई कारवाई न करे, जो कानून सम्मत न हो। उधर, सरकारी वकीलों ने भी कानून सम्मत करवाई करने का आश्वासन दिया। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को चार बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने और याची को इन पर आपत्तियां दाखिल करने का समय दिया था।

ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती दी गई

मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ के समक्ष एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स संस्था की जनहित याचिका सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। याचिका में कथित अतिक्रमणकर्ताओं को बीते 17 अक्तूबर को जारी ध्वस्तीकरण नोटिसों को चुनौती देकर इन्हे रद्द करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा था कि क्या नोटिसें जारी करने से पहले वहां कोई सर्वे किया गया था या नहीं?

कई सवालों पर बना संशय

क्या जिन्हें नोटिसें जारी हुईं वे लोग निर्मित परिसरों के स्वामी हैं या नहीं? नोटिस जारीकर्ता प्राधिकारी इन्हें जारी करने को सक्षम था या नहीं। इन बिंदुओं के अलावा कोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा था कि महराजगंज बाजार की जिस सड़क पर बने निर्माणों को ढहाने की नोटिस जारी हुईं, क्या पूरा निर्माण या उसका कोई हिस्सा अवैध निर्माण था या नहीं? राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता विनोद शाही मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह के साथ पेश हुए और कोर्ट को वांछित जानकारी दी।

झांसी अग्निकांड

एक और नवजात की मौत, संख्या बढ़कर 12 हुई

जांच के लिए पहुंची शासन की टीम

एजेंसी । झांसी

झांसी महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में लगी आग के मामले में एक और नवजात ने दम तोड़ दिया है। अब अग्निकांड में मृत नवजातों की संख्या 12 हो गई है। उधर, घटना की जांच के लिए शासन की टीम भी पहुंच गई है। जानकारी के अनुसार, झांसी महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र (एसएनसीयू) में शुक्रवार की रात तकरीबन 11 बजे भीषण आग लग गई थी, जिसमें 10 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि, एक बच्चे ने रविवार को दम तोड़ दिया था। अब सोमवार को एक और बच्चे की मौत हो गई। यह बच्चा जालौन जिले के रहने वाले विशाल की पत्नी मुस्कान का है। जन्म से गंभीर बीमारी से ग्रस्त होने पर उसे मेडिकल में भर्ती कराया गया था।

जांच के लिए पहुंची शासन की टीम

घटना की जांच के लिए शासन ने चिकित्साशिक्षा महानिदेशक की अगुवाई में एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया था। कमेटी जांच के लिए सोमवार को मेडिकल कॉलेज पहुंच गई है। टीम ने जांच शुरू कर दी है।

जल गए दो करोड़ के जीवनरक्षक उपकरण

झांसी मेडिकल कॉलेज की एसएनसीयू में लगी आग से करीब दो करोड़ रुपये के जीवनरक्षक उपकरण जल गए हैं। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों के अनुसार एसएनसीयू में नवजात शिशुओं की हालत ज्यादा खराब होने पर ही भर्ती किया जाता है। प्राचार्य डॉ. एनएस सेंगर ने बताया कि वार्ड में बच्चों के उपचार के लिए उच्च गुणवत्ता के आठ वेंटिलेटर, बबल, सी-पैप, एचएफएनसी (हाईफ्लो नैच्युरल कैंडुला) मशीन, एचएफओ, 18 क्रेडल आदि मशीनें थीं जिनकी कीमत दो करोड़ रुपये से ज्यादा है। सभी मशीनें जल गई हैं। वहीं आग लगने के बाद एसएनसीयू से बच्चों को निकाल लिया गया मगर समुचित उपचार की दिक्कत खड़ी हो गई। इस पर कॉलेज प्रशासन ने वार्ड नं. पांच में वेंटिलेटर और ऑक्सीजन बेड बिछाकर निक्कू वार्ड बना दिया।

पड़ोसियों ने युवक को पेट्रोल डालकर जलाया

रास्ते में घेरकर लगाई आग, हालत गंभीर

एजेंसी । आजमगढ़

आजमगढ़ के सरायमीर थाना क्षेत्र के परहा मऊ रंगडीह गांव में भूमि विवाद को लेकर बीती रात पड़ोसियों ने एक युवक पर पेट्रोल डाल आग लगा दी। इस घटना में युवक गंभीर रूप से झुलस गया। इलाज के लिए उसे मंडलीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त हो गया, मौके की स्थिति को देखते हुए भारी मात्रा में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। सरायमीर थाना क्षेत्र के परहा मऊ रंगडीह गांव निवासी 30 वर्षीय गुलशन का उसके गांव के कुछ लोगों से भूमि को लेकर विवाद चल रहा है। गुलशन पड़ोस के गांव दूध लेने गया था। रात करीब आठ बजे वह पैदल घर लौट रहा था। इस दौरान उसके विपक्षी दो युवक आ गए। दोनों में गाली-गलौज होने लगी और हाथापाई हो गयी। इसके बाद विपक्षी युवक ने फोन कर घर से कुछ और लोगों को बुला लिया। पास में एक व्यक्ति पेट्रोल बेच रहा था। विपक्षी युवक ने पेट्रोल से भरा गैलन गुलशन के ऊपर डाल दिया। इसके बाद माचिस की तीली जला दी। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग पहुंच गए किसी तरह से आग पर काबू पाया।

7 पुलिसकर्मी गिरफ्तार

खुद पीने के लिए छापेमारी में जब्त शराब की करते थे चोरी

एजेंसी । वैशाली

वैशाली पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। एसपी के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई हुई है और एंटी लीकर टास्क फोर्स की टीम के 7 पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी में जब्त शराब से चोरी करके कुछ शराब की बोतलों को ये पुलिसकर्मी अपने पास रख लेते थे। इन शराबों को खुद पीने और बेचने का काम ये पुलिसकर्मी करते थे। जिसकी सूचना पर एंटी लीकर टास्क फोर्स पर एक्शन लिया गया और सभी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके ठिकानों पर छापेमारी भी की गयी जहां से शराब बरामद किया गया है।

छापेमारी में जब्त शराब की करते थे चोरी

सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए वैशाली एसपी हरकिशोर राय ने इस पूरे मामले की जानकारी दी है। बताया गया कि गुप्त सूचना मिली कि महुआ थाना अंतर्गत एंटी लीकर टास्क फोर्स-3 (ALTF-03) की टीम के द्वारा छापेमारी में बरामद शराब की खेप में कुछ शराब को ये लोग अपने पास चोरी-छिपे रख लेते थे। इस शराब को ये लोग या तो खुद पीने के लिए रखते थे या फिर इसे बेच देते थे। जब इसकी सूचना मिली तो सत्यापन कराया गया। सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए एसपी वैशाली ने डीएसपी महुआ और महुआ थाना पुलिस टीम के द्वारा ALTF-03 की उस जगह पर छापेमारी की गयी जहां ये पुलिसकर्मी रहते थे।

तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो में मारी टक्कर

पटना। पटना में भीषण सड़क दुर्घटना हुई हैं। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। वहीं दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना बिहटा के IIT थानाक्षेत्र के डिहरी गांव के पास की है। जहां तेज रफ्तार बालू लदे ट्रक ने ऑटो में जबरदस्त टक्कर मार दी। मृतक की पहचान दुल्हिनबाजार थानाक्षेत्र के लाला भदसरा गांव निवासी भोला पंडित के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहरा मचा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अस्पताल भेज दिया है। वहीं घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। हालांकि, दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो में सवार लोग बिक्रम के नगहर गांव की तरफ से आ रहे थे। डीहरी मीठापुरा मार्ग पर पुल के पास से कनपा के तरफ से बालू लदा ट्रक आ रहा था।

तबादले के बाद कर दिया 255 दाखिल खारिज

700 दस्तावेज भी उठा ले गयी महिला अधिकारी

एजेंसी । पटना।

पटना सदर की पूर्व डीसीएलआर मैत्री सिंह ने 22 अक्टूबर को तबादला हो जाने के बाद दाखिल-खारिज के लंबित 255 मामलों का निबटारा कर दिया। बैकडेट में हुए इन दस्तावेजों के निष्पादन का मामला अब उजागर हुआ है। इतना ही नहीं, स्थानांतरण के बाद वह 700 के करीब सरकारी दस्तावेज भी अपने साथ ले गईं। इन मामलों के खुलासे के बाद अब पटना सदर की पूर्व जिला भू-अधिग्रहण पदाधिकारी मैत्री सिंह भ्रष्टाचार के आरोप में घिर गई हैं।

विभाग के अपर सचिव को लिखा गया पत्र

जांच समिति के सदस्यों को यह भी पता चला है कि कार्यालय से कंप्यूटर, प्रिंटर और अन्य उपकरण भी गायब हैं। डीएम ने मैत्री सिंह के खिलाफ कार्रवाई के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। मैत्री सिंह वर्तमान में विश्वविद्यालय सेवा आयोग में विशेष कार्य पदाधिकारी के पद पर तैनात हैं। यह पहली बार नहीं है जब पटना में किसी डीसीएलआर पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। पिछले साल भी दानापुर के डीसीएलआर को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया था। पटना में डीसीएलआर कार्यालय में भ्रष्टाचार का यह मामला प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती है। पटना के जिलाधिकारी (डीएम) के निर्देश पर हुई जांच में पता चला कि मैत्री सिंह कार्यालय से 700 से अधिक फाइलें गायब कर चुकी हैं।

व्यापार जगत

सेंसेक्स 241 अंक गिरकर 77,339 पर बंद

निफ्टी में भी 78 अंक की गिरावट रही IT और बैंकिंग शेयर फिसले

एजेंसी । मुंबई

शेयर बाजार में 18 नवंबर को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 241 अंक की गिरावट के साथ 77,339 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 78 अंक की गिरावट रही, ये 23,453 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में गिरावट और 14 शेयरों में तेजी देखने को मिली है। IT और बैंकिंग शेयर्स में आज गिरावट रही। TCS का शेयर आज 3.11% टूटा है। वहीं ऑटो और FMCG शेयर्स में बढ़त देखने को मिली है।

बीते हफ्ते बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले गुरुवार यानी 14 नवंबर को सेंसेक्स 110 अंक की गिरावट के साथ 77,580 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 26 अंक की गिरावट रही, ये 23,532 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, BSE स्मॉलकैप 429 अंक चढ़कर 52,381 पर बंद हुआ था।

मिड और स्मॉलकैप के दो-तिहाई शेयर 20% से ज्यादा टूटे

शेयर बाजार में जारी गिरावट के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के मिड और स्मॉलकैप बास्केट में शामिल दो-तिहाई से ज्यादा शेयर मंदी में है। तकनीकी भाषा में कहे तो ये शेयर बियर टेरिटरी (यानी की 20 प्रतिशत या अधिक की गिरावट) में आ गए हैं। इन दोनों कैटेगरी (मिड और स्मॉल-कैप बास्केट) में शामिल करीब 1,020 शेयरों में से 692 शेयर (यानी 67 प्रतिशत) ने अपने 52-वीक हाई (एक साल के उच्चतम स्तर) से 20 प्रतिशत या उससे अधिक की गिरावट दर्ज की है। इनमें से अधिकांश – 1,020 में से 936 स्टॉक्स – ने कैलेंडर वर्ष 2024 (CY24) में पहले अपने 52-वीक हाई को छुआ था। यह जानकारी ACE Equity डेटा से मिली है।

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

- एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 1.09% की गिरावट रही। वहीं कोरिया के कोस्पी में 2.16% की तेजी और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.21% की गिरावट रही।
- NTPC की सब्सिडियरी कंपनी NTPC ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का IPO 19 नवंबर को ओपन होगा। निवेशक इस पब्लिक इश्यू के लिए 22 नवंबर तक बिडिंग कर सकेंगे।

खराब तिमाही नतीजों के बाज होनासा का शेयर 20% गिरा

एजेंसी । मुंबई

- स्टॉक गिरकर ₹297.25 पर आया
- कंपनी को दूसरी तिमाही में ₹19 करोड़ का घाटा हुआ

मामाअर्थ की पेरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर लिमिटेड का शेयर आज यानी सोमवार (18 नवंबर) को 20% गिरा है। कंपनी का शेयर 20% के लोअर सर्किट के साथ 297.25 रुपए पर आ गया है। कंपनी के खराब तिमाही नतीजों के चलते शेयर में यह गिरावट देखने को मिली है। पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को कंपनी का शेयर 378 रुपए पर बंद हुआ था। शेयर पिछले 5 दिन में 22.76% और एक महीने में 29% गिरा है। वहीं कंपनी का शेयर 6 महीने में 30% और एक साल में 15.00% गिरा है। होनासा का शेयर इस साल यानी 1 जनवरी 2024 से अब तक 30.36% गिरा है। कंपनी का मार्केट-कैप 9.66 हजार करोड़ रुपए है। मामाअर्थ की पेरेंट कंपनी होनासा कंज्यूमर लिमिटेड को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 19 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही के मुकाबले कंपनी मुनाफे से घाटे में आ गई है। Q2FY24 (वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही) में कंपनी को 29 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी के ऑपरेशन से कॉन्सोलिडेटेड रेवेन्यू की बात करें तो जुलाई-सितंबर तिमाही में यह 462 करोड़ रुपए रहा है।

लैपटॉप आयात में होगी कटौती

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने पर जोर

एजेंसी । मुंबई

केंद्र सरकार लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के आयात पर रोक लगाने के तौर-तरीकों पर विचार कर रही है। समझा जाता है कि सरकार शुरुआत में आयात को मौजूदा स्तर से 5 फीसदी कम करने की संभावना तलाश रही है ताकि आयात सीमा लागू होने पर भी देश में लैपटॉप और अन्य उपकरणों की आपूर्ति में कोई व्यवधान न हो। सरकार द्वारा अगस्त 2023 में चीन पर निर्भरता कम करने के लिए चुनिंदा आईटी हार्डवेयर उत्पादों के आयात के लिए लाइसेंस जारी करने की योजना के संदर्भ में यह घटनाक्रम काफी अहम है। हालांकि कंपनियों, उद्योग निकायों और अमेरिका जैसे प्रमुख व्यापार भागीदारों द्वारा चिंता जताए जाने के बाद सरकार ने प्रस्तावित लाइसेंस की व्यवस्था की जगह ऑनलाइन आयात परमिट के लिए नवंबर 2023 से नई आयात प्रबंधन प्रणाली लागू की गई थी। लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर और सर्वर सहित 7 आईटी हार्डवेयर को नई आयात प्रबंधन प्रणाली के तहत लाया गया था। यह व्यवस्था 31 दिसंबर तक के लिए की गई है।

वित्त वर्ष 2025 में 500 नई शाखाएं खोलेगा एसबीआई

एजेंसी । मुंबई

सरकारी स्वामित्व वाली बैंकिंग पीएसयू, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) वित्तीय वर्ष (वित्त वर्ष) 2025 में 500 नई शाखाएं खोलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यह बात कही। एसबीआई की मुंबई स्थित मुख्य शाखा भवन के शताब्दी समारोह में बोलते हुए वित्त मंत्री ने बैंकिंग पीएसयू के प्रभावशाली विकास और बैंकिंग पारिस्थितिकी तंत्र में इसके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, हमुझे लगता है कि इस वित्तीय वर्ष 2025 में 500 शाखाएं खोली जाएंगी। आज 23,000 शाखाएं, 6580 एटीएम , 85,000 बैंकिंग पत्राचार, जमा 22.4 प्रतिशत, अग्रिम 19 प्रतिशत, 50 करोड़ से अधिक ग्राहक, 25 प्रतिशत डेबिट कार्ड व्यय, 22 प्रतिशत मोबाइल बैंकिंग लेनदेन और 25 प्रतिशत बैंक यूपीआई लेनदेन और 29 प्रतिशत एटीएम फुटप्रिंट हैं।

सोयाबीन-कपास के किसानों को मिलेंगे प्रति हेक्टेयर ₹5000

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सोयाबीन और कपास की खेती करने वाले किसानों के बैंक खातों में अतिरिक्त 5,000 रुपए प्रति हेक्टेयर भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मलयेशिया और इंडोनेशिया से खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 27.5 फीसदी कर दिया गया है, ताकि घरेलू बाजारों में तेल की मिलें घरेलू किसानों से सोयाबीन खरीद सकें। केंद्रीय मंत्री ने भावांतर भुगतान योजना के बारे में भी बताया। भावांतर भुगतान योजना एक ऐसा कार्यक्रम है, जिसमें सरकार किसानों को एमएसपी और जिस दर पर वे अपनी फसल बेचते हैं, उसके अंतर की भरपाई करती है। उन्होंने कहा, दूसरी योजना में, आईसीएआर आलू, प्याज और टमाटर जैसी फसलों के लिए आदर्श दर निर्धारित करेगा और उत्पादन लागत पर किसानों को 50 फीसदी का लाभ देगा।

ओएनजीसी ने दूसरी तिमाही के नतीजे किए घोषित

एजेंसी । मुंबई

ओएनजीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों को मंजूरी दी है। इसमें वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं। कंपनी ने 17.1 फीसदी की वृद्धि के साथ 11,984 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। साथ ही 6 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर निरंतर जोर देने के साथ ओएनजीसी कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति को पलटने में सक्षम रही है। वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के दौरान स्टैंडअलोन कच्चे तेल का उत्पादन (कंडेनसेट को छोड़कर) 4.576 एमएमटी था, जो वित्त वर्ष 24 की इसी तिमाही की तुलना में 0.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है।

जापान के खिलाफ अजेय भारतीय महिला हॉकी टीम का पलड़ा भारी

आज ही दूसरे सेमीफाइनल में दूसरे स्थान पर मौजूद चीन का सामना तीसरे स्थान की टीम मलेशिया से होगा

हमें टीम की कमजोरियां और ताकत पता हैं। यह टूर्नामेंट अपनी ताकत पर काम करने और आक्रमण तथा रक्षण का संतुलन बनाकर खेलने को लेकर है। अभी तक रणनीति पर बखूबी अमल हुआ है लेकिन सेमीफाइनल की बात अलग होगी।

– हरेंद्र सिंह, मुख्य कोच, भारत

एजेंसी । राजगीर

शानदार प्रदर्शन की बदौलत आत्मविश्वास से भरी अपराजेय भारतीय टीम मंगलवार को महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जापान का सामना करेगी। इस मुकाबले में मेजबान टीम सही समय पर आक्रामकता और रक्षण की रणनीति के साथ उतरेगी। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंची हैं। दूसरे सेमीफाइनल में दूसरे स्थान पर मौजूद चीन का सामना तीसरे स्थान की टीम मलेशिया से होगा।

नंबर गेम

- 05 मैच अब तक टूर्नामेंट में भारत ने खेले, पांचों जीते
- 26 गोल भारतीय टीम ने किए, दो उसके खिलाफ हुए
- 10 गोल सबसे ज्यादा टूर्नामेंट में दीपिका के नाम दर्ज हैं
- 11 गोल भारत ने पेनाल्टी पर किए, 14 मैदानी, 1 स्ट्रोक पर

दीपिका से उम्मीदें

भारत को दीपिका के रूप में बेहतरीन स्ट्राइकर और ड्रैग फ्लिकर मिल गया है जो अब तक दस गोल कर चुकी है। इसमें पांच पेनल्टी कॉर्नर पर, एक पेनल्टी स्ट्रोक पर और चार फील्ड गोल हुए। उनसे फिर शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। भारतीय टीम ने पिछले कुछ मैचों में आक्रामकता की मिसाल पेश की है और सर्कल के भीतर फैसले लेने में भी माहिर साबित हुई है जिससे कुछ दर्शनीय गोल किए गए। कप्तान सलीमा टेटे ने मिडफील्ड में नेहा गोयल, नवनीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग के साथ कमान संभाल रखी है।

पिछले मैच में जीती मेजबान टीम

मौजूदा प्रदर्शन को देखें तो गत चैंपियन भारतीय टीम का पलड़ा भारी लग रहा है जिसने आखिरी लीग मैच में जापान को 3-0 से हराया था। दुनिया की नौवे नंबर की टीम भारत ने टूर्नामेंट में अब तक पांचों मैच जीते हैं जिसमें ओलंपिक रजत पदक विजेता और दुनिया की छठे नंबर की टीम चीन के खिलाफ 3-0 से मिली जीत शामिल है। दूसरी ओर जापान की टीम टूर्नामेंट में कुल छह गोल ही कर सकी है जबकि उसके खिलाफ नौ गोल हुए। इसके अलावा भारत के खिलाफ मैच में भी टीम गोल करने में नाकाम रही थी।

चुनौती मिलनी संभव

इसके बावजूद भारतीय टीम को आत्ममुग्धता से बचना होगा क्योंकि एक गलती भारी पड़ सकती है। भारतीय कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमें जापान से कड़ी चुनौती मिल सकती है क्योंकि अभ्यास मैच और पूल मैच अलग होते हैं। यह सेमीफाइनल है और हर टीम तैयारी के साथ आती है। जापान की टीम अच्छी है और हमें होमवर्क पक्का रखना होगा। भारत की बैकलाइन उदिता, सुशीला चानू और वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने शानदार प्रदर्शन किया है। गोलकीपर सविता पूनिया और बिछू देवी खारीबम को अभी तक चुनौती नहीं मिल सकी है ।

रैली और स्मैश से फिर रंग जमाएंगे शटलर, सात्विक-चिराग करेंगे वापसी

पेरिस ओलंपिक के बाद से कोर्ट से दूर है सात्विक-चिराग की जोड़ी

एजेंसी । शेनजेन (चीन)

पीवी सिंधु, और लक्ष्य सेन समेत प्रमुख भारतीय शटलर मंगलवार से यहां शुरू हो रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में फिर रैली और स्मैश के दम पर रंग जमाने उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक की नाकामी को भुलाते हुए भारत की शीर्ष युगल जोड़ी सात्विक साइराज रांकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी इस टूर्नामेंट के जरिये कोर्ट पर वापसी करेगी। दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी सात्विक के कंधे की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक के बाद से प्रतिस्पर्धा से दूर है। दोनों आर्कटिक ओपन, डेनमार्क ओपन और चाइना ओपन नहीं खेल सके थे। अगस्त में मथियास बो के जाने के बाद से दोनों के पास कोच भी नहीं है। इस टूर्नामेंट में पिछली बार उपविजेता रहे सात्विक और चिराग पहले दौर में चीनी ताइपे के यांग पो सुआन और ली झे हुइ से खेलेंगे।

खराब रहा है प्रदर्शन

पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल में हारने के बाद लक्ष्य आर्कटिक सुपर 500 और डेनमार्क ओपन में जल्दी हार गए। इसके बाद कुमामोतो मास्टर्स जापान में पहले ही दौर में बाहर हो गए। शेनजेन में वह पहले दौर में सातवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया के ली जि जिया से खेलेंगे। महिला एकल में, दो बार की ओलंपिक चैंपियन सिंधु फिनलैंड में कनाडा की मिचेले ली के खिलाफ पहले दौर में हार गई थीं। सिंधु यहां पहले दौर में थाईलैंड की सुपनिदा केटथोंग से खेलेंगी। आकर्षि कश्यप पहले दौर में जापान की तोमोका मियाजाकी से और मालविका बंसोड लाइन होजमार्क के से खेलेंगी। महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी चीन की लियू शेंग शू और तान निंग से होगा।

जूनियर एशिया कप: आमिर की अगुआई में खिताब बचाने उतरेगी हॉकी टीम

एजेंसी । नई दिल्ली

पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के लिए भारत ने 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। कप्तान डिफेंडर आमिर अली की अगुआई में टीम खिताब बचाने के लिए उतरेगी। यह टूर्नामेंट अगले साल होने वाले जूनियर विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है। 26 नवंबर से मस्कट में होने वाले टूर्नामेंट के लिए दस टीमों को पांच-पांच के दो पूल में बांटा गया है। भारत ने रिकॉर्ड चार बार (2004, 2008, 2015, 2023)यह टूर्नामेंट जीता है। उसने पाकिस्तान को पिछले साल 2-1 से हराकर खिताब जीता था। भारत ने मेजबान होने के नाते एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर लिया है। कोच पी आर श्रीजेश के मार्गदर्शन में टीम जोहोर कप की सफलता को दोहराना चाहेगी। उन्होंने कहा, जोहोर कप कई खिलाड़ियों के लिए पहला अनुभव था लेकिन उन्होंने जबर्दस्त प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय फिनस्विमिंग में पश्चिम बंगाल चैंपियन

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के तैराकों ने चौथी राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप में स्विमिंग पूल पर राज करते हुए 151 पदकों के साथ टीम चैंपियनशिप का ताज जीत लिया। रविवार रात संपन्न हुई चैंपियनशिप में उसके खाते में 67 स्वर्ण, 43 रजत और 41 कांस्य पदक आए। उपविजेता कर्नाटक 50 पदकों के साथ काफी पीछे रहा। उसके तैराकों ने 17 स्वर्ण, 18 रजत और 15 कांस्य जीते। उत्तराखंड (8 स्वर्ण, 6 रजत और 7 कांस्य) को तीसरा स्थान मिला।

भारत में खो खो विश्व कप को आईओए का समर्थन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अगले साल 13 से 19 जनवरी तक यहां होने वाले पहले खो खो विश्व कप के लिए सोमवार को भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) के साथ अपनी साझेदारी की पुष्टि की। आईओए ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए अपना 'पूरा समर्थन देने का वादा किया है। इस विश्व कप में पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी। इसमें छह महाद्वीपों के 25 देश प्रतिस्पर्धा करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 सीरीज में पाक का सफाया किया

एजेंसी । होबार्ट (ऑस्ट्रेलिया)

मार्कस स्टोइनिस की नाबाद 61 रन की तूफानी पारी से ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हराकर 3-0 से उसका सूपड़ा साफ कर दिया। पाकिस्तान की टीम अच्छी शुरुआत के बाद 18.1 ओवर में 117 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम ने अंतिम नौ विकेट 56 रन पर गंवाए। बाबर आजम (41) और हसीबुल्लाह खान (24) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर सके। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 118 रन का लक्ष्य 11.2 ओवर में तीन विकेट पर 118 रन बनाकर हासिल कर लिया। स्टोइनिस ने 27 गेंद में पांच छक्के और पांच चौके मारे। शाहीन शाह अफरीदी और हारिस राऊफ ने छह ओवर में 77 रन लुटाए।

क्या सिंघम अगेन से अपनी ही फिल्मों का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे अजय देवगन?

बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक कीर्तिमान रचे हैं। बॉक्स ऑफिस के मैदान पर भी उनका सिक्का चलता है। एक्टर की फिल्में भले ही अभी 500 करोड़ के जादुई आंकड़े को नहीं छू सकी हैं लेकिन इसके बाद भी उनकी फिल्में 300 करोड़ से ज्यादा कमा ले जा रही हैं। फिलहाल तो अजय देवगन के लिए ये भी बड़ी बात है। एक्टर को बॉक्स ऑफिस पर खान्स जैसी अपार सफलता नहीं मिली है। आलम तो ये है कि वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आधार पर अजय देवनग की कोई भी फिल्म अभी तक 400 करोड़ का भी कलेक्शन नहीं कर सकी है। क्या सिंघम अगेन के जरिए अजय देवगन ऐसा कर सकते हैं।

अजय देवगन की सबसे ज्यादा कमाई वाली फिल्म

अजय देवगन ने अपने करियर में खूब कमाई की है। 100-200 करोड़ कमाने वाली उनकी कई सारी फिल्में पिछले एक दशक में आई हैं जो पसंद भी की गई हैं। लेकिन एक्टर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी तान्हाजी। साल 2020 में आई इस फिल्म ने दुनियाभर में 358 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं इसके बाद अजय देवगन की फिल्म दृश्यम का नंबर आता है। इस फिल्म ने भी सिनेमाघरों में 342 करोड़ रुपये कमाए थे। मौजूदा समय में सिंघम अगेन फिल्म अजय देवगन के करियर की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

सिंघम अगेन ने कितने कमाए?

सिंघम अगेन फिल्म की बात करें तो अजय देवगन की इस फिल्म को आए हुए 17 दिन हो चुके हैं। इन 17 दिनों में फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया है। फिल्म की कमाई की बात करें तो भारत में इस फिल्म ने 265 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। वहीं दूसरी तरफ अगर बात करें इस फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की तो फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन अभी तक 338 करोड़ रुपये हो चुका है। अभी भी फिल्म सिनेमाघरों में लगी हुई है और फैंस का एंटरटेनमेंट कर रही है। वो बात अलग है कि तीसरे हफ्ते फिल्म की कमाई में काफी गिरावट देखने को मिली है।

कैसे साथ आएंगे सलमान और शाहरुख खान?

सलमान खान और शाहरुख खान इस वक्त हिंदी सिनेमा के दो सबसे बड़े स्टार हैं। इनकी फिल्में रिलीज़ होती हैं तो सिनेमाघरों में हाउसफुल के बोर्ड लग जाते हैं। दोनों 30 साल पहले करण अर्जुन में साथ दिखाई दिए थे। पर क्या अब मुमकिन है कि सलमान और शाहरुख किसी फुल फ्लेज फिल्म में एक साथ नज़र आए? राकेश रोशन ने इस सवाल का जवाब दिया है। सलमान खान और शाहरुख खान की फिल्म 'करण अर्जुन' को रिलीज़ हुए 30 साल होने वाले हैं। फिल्म को इस मौके पर दोबारा भी रिलीज़ किया जा रहा है। 30 साल पहले जब सलमान और शाहरुख करण अर्जुन में साथ आए थे तो फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी। पर क्या आज के दौर में ये किसी फिल्ममेकर के लिए मुमकिन है कि वो एक साथ सलमान और शाहरुख को फुल फ्लेज फिल्म में कास्ट कर सके? ये सवाल हर फैन के दिल में है। अब इसका जवाब सलमान और शाहरुख को पहली बार कास्ट करने वाले राकेश रोशन ने दिया है।

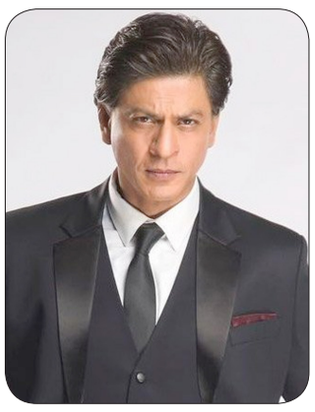

'हां ये मुमकिन है'

राकेश रोशन ने एक इंटरव्यू में कहा, "हां ये मुमकिन है, अगर स्क्रिप्ट दो हीरो के लिए पूरी तरह से बैलेंस हो। क्योंकि मैं एक एक्टर था, इसलिए मुझे मालूम है कि वो कैसा महसूस करते हैं। जब मैंने करण अर्जुन बनाई थी तो दोनों ही कैरेक्टर्स को बराबर रखा था। इसलिए अगर ऐसी कोई स्क्रिप्ट होगी तो दो एक्टर्स साथ काम कर सकेंगे।"

आमिर ने अजय पर कसा तंज

अजय देवगन की 'सिंघम अगेन' और कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' दोनों ही फिल्में एक साथ रिलीज हुई थीं। 1 नवंबर को इन फिल्मों ने सिनेमाघरों का रुख किया था। इस महाटकराव को देखने के लिए दर्शक भी बेहद उत्साहित थे। हालांकि, 'भूल भुलैया 3' के सामने 'सिंघम अगेन' का हाल-बेहाल है। अब दिग्गज अभिनेता आमिर खान ने अजय पर तंज कसते हुए 'सिंघम अगेन' की 'भूल भुलैया 3' से टकराव को 'गलती' बताया।

आमिर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह 'भूल भुलैया 3' के निर्देशक अनीस बज्मी के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं और उन्हें फिल्म की सफलता के लिए बधाई दी। इस दौरान आमिर ने 'सिंघम अगेन' की भी आलोचना की और कहा, 'आपकी 'भूल भुलैया 3' से टक्कर लेकर गलती कर दी।' प्रशंसकों को आमिर का यह अंदाज पसंद नहीं आ रहा। एक ने लिखा, 'आमिर की सोच हमेशा गंदी रही है।' "

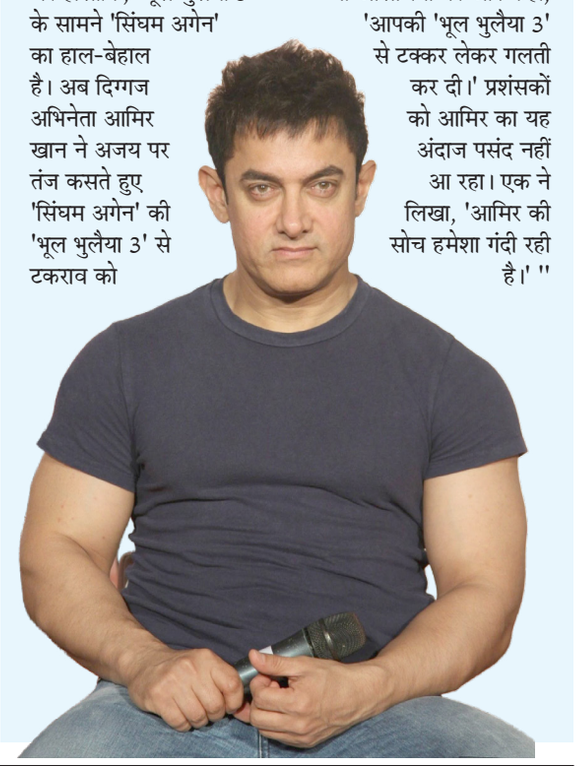

रणवीर सिंह क्यों नहीं बन पाए शक्तिमान?

रणवीर सिंह इस समय चर्चा में बने हुए हैं। शक्तिमान में अहम भूमिका निभाने को लेकर उनका नाम सामने आया था, हालांकि बाद में मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह को इस किरदार के लिए मिसफिट बता दिया। लेकिन अब भी रणवीर सिंह इस किरदार को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। रणवीर सिंह को शक्तिमान के किरदार में लोग देखने की इच्छा रख रहे हैं। हाल ही में रणवीर सिंह सूरत की एक शादी में सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर देखे गए, जहां उनकी परफॉर्मेंस ने लोगों का दिल जीता, उनके फैंस को उन अंदाज काफी पसंद आया। लेकिन सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोग उनके इस परफॉर्मेंस पर सवाल उठाते हुए भी नजर आये है। कमेंट करने वालों ने कहा है कि इसी वजह से यह शक्तिमान नहीं बन पाए। सूरत में एक शादी में सेलिब्रिटी गेस्ट बनकर पहुंचे रणबीर सिंह का वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में रणवीर सिंह की परफॉर्मेंस देखकर उनके फैंस खुश हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर यूजर्स रणवीर सिंह की परफॉर्मेंस का मजाक बनाते हुए भी नजर आए। रणवीर सिंह की परफॉर्मेंस वाला वीडियो देखकर फैंस ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा, बस इसी वजह से इन्हें शक्तिमान नहीं बनाया गया।

फिल्म रिलीज के पहले ही अल्लू अर्जुन ने तोड़ डाले सभी रिकॉर्ड

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 को रिलीज होने में अभी समय बचा है और फिल्म ने अभी से ही लोगों के बीच अपनी अलग ही धाक जमा ली है। उनकी फिल्म का इंतजार फैंस पिछले 4 सालों से कर रहे थे। ट्रेलर को लेकर फैंस की उत्सुकता का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि इसे 24 घंटे के अंदर सबसे ज्यादा व्यूअर्स मिल चुके हैं। यानी फिल्म की रिलीज के 16 दिन पहले ही इसने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म के ट्रेलर को काफी पसंद किया जा रहा है। बीते रविवार ही बिहार की राजधानी पटना में इस फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट रखा गया। इस दौरान अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना भी मौजूद थे। अभी फिल्म रिलीज भी नहीं हुई है और फिल्म ने बड़े कमाल करने शुरू कर दिए हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में जारी किया गया है और इस ट्रेलर को जनता ने खूब देखा है। इतना देखा है कि फिल्म की रिलीज से पहले ही इसका ट्रेलर सुपरहिट हो गया है। इसे खूब पसंद किया जा रहा है।

एमवीए और महायुति में दूसरा राउंड खत्म, 20 को होगा फाइनल

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 2024 का प्रचार सोमवार को खत्म गया। बुधवार (20 नवंबर) को प्रदेश के 36 जिलों की सभी 288 विधानसभा सीटों पर मतदान कराया जाएगा। इस चुनाव में कुल 4,136 उम्मीदवार अपना सियासी भाग्य आजमा रहे हैं। यानी एक सीट पर औसतन 14 से अधिक उम्मीदवार उतरे हैं। महाराष्ट्र चुनाव में पिछली बार से 27.7 प्रतिशत अधिक कुल 4,136 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें 2,086 निर्दलीय दावेदार हैं। 2019 में जब मुकाबला भाजपा-शिवसेना और कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन के बीच था, तब कुल 3,239 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इस बार, पिछले दो वर्षों में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के टूटने से राजनीतिक परिदृश्य काफी बदल गया है। इस बार महाराष्ट्र में मुख्य मुकाबला महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच माना जा रहा है। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन में से भाजपा ने सबसे ज्यादा 149 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। वहीं महायुति में शामिल मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने 81 उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 59 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने चार सीटें महागठबंधन में सहयोगी दलों के लिए भी छोड़ी हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की अगुवाई वाली रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) ने कलिना विधानसभा सीट से उम्मीदवार उतारा है। सूची में शामिल अन्य सहयोगी दलों में युवा स्वाभिमान पार्टी शामिल है जिसने बडनेरा से, जन सुराज्य शक्ति पार्टी ने शाहूवाड़ी से और राष्ट्रीय समाज पार्टी ने गंगाखेड़ से चुनाव मैदान में उतरी है। इसके अलावा भाजपा के कई चेहरे दूसरे दलों के चुनाव चिह्न पर चुनाव मैदान में हैं जिनमें शाइना एनसी एक प्रमुख नाम हैं।

आइये जानते हैं 288 सीटों पर उम्मीदवार कौन हैं? यहां किसके बीच मुकाबला है?

विधानसभा	महायुति	महाविकास अघाड़ी
अक्कलकुवा (एसटी)	अमश्या फुलजी पाडवी (शिवसेना)	केसी पाडवी
शाहदा (एसटी)	राजेश उदेसिंह पाडवी	राजेंद्रकुमार कृष्णराव गावित
नंदुरबार (एसटी)	विजयकुमार कृष्णराव गावित	किरण दामोदर तड़वी
नवापुर (एसटी)	भरत गावित (एनसीपी)	श्रीकृष्णकुमार नाइक
साकरी (एसटी)	मंजुलाताई गावित (शिवसेना)	प्रवीणबापू चौरे
धुले ग्रामीण	राघवेन्द्र मनोहर पाटिल	कुणाल रोहिदास पाटिल
धुले शहर	अनूप अग्रवाल	अनिल गोटे (शिवसेना-यूबीटी)
सिंधखेड़ा	जयकुमार जितेंद्रसिंह रावल	संदीप त्र्यम्बकराव बेडसे (एनसीपी-एसपी)
शिरपुर (एसटी)	काशीराम वेचन पावरा	बुद्ध माला पवारा (माकपा)
चोपड़ा (एसटी)	चंद्रकांत बलवंत सोनावणे (शिवसेना)	प्रभाकर अप्पा गोटू सोनवणे (शिवसेना-यूबीटी)
रावेर	अमोल जावले	धनंजय शिरीष चौधरी
भुसावल	संजय वामन सावकारे	डॉ. राजेश तुकाराम मानवटकर
जलगांव शहर	सुरेश दामू भोले	जयश्री महाजन (शिवसेना-यूबीटी)
जलगांव ग्रामीण	गुलाबराव रघुनाथ पाटिल (शिवसेना)	गुलाबराव देवकर (एनसीपी-एसपी)
अमलनेर	अनिल भाईदास पाटिल (एनसीपी)	डॉ. अनिल शिंदे
एरंडोल	अमोल चिमणराव पाटिल (शिवसेना)	डॉ. सतीश भास्करराव पाटिल (एनसीपी-एसपी)
चालीसगांव	मंगेश रमेश चव्हाण	उन्मेष पाटिल (शिवसेना-यूबीटी)
पाचोरा	किशोर (अप्पा) धनसिंह पाटिल (शिवसेना)	वैशाली सूर्यवंशी (शिवसेना-यूबीटी)
जामनेर	गिरीश दत्तात्रेय महाजन	दिलीप खोडपे (एनसीपी-एसपी)
मुक्ताईनगर	चंद्रकांत निंबा पाटिल (शिवसेना)	रोहिणी खडसे (एनसीपी-एसपी)
मल्कापुर	चैनसुख मदनलाल संचेती	राजेश पंडितराव एकाडे
बुलढाना	संजय रामभाऊ गायकवाड (शिवसेना)	जयश्री शेलके (शिवसेना-यूबीटी)
चिखली	श्वेता विद्याधर महाले	राहुल सिद्धिविनायक बोंद्रे
सिंदखेडराजा	मनोज देवानंद कायंदे (एनसीपी)	डॉ. राजेंद्र शिंगणे (एनसीपी-एसपी)
मेहकर (एससी)	डॉ संजय भास्कर रायमुलकर (शिवसेना)	सिद्धार्थ खरात (शिवसेना-यूबीटी)
खामगांव	आकाश पांडुरंग फुंडकर	राणा सानंद
जलगांव जामोद	डॉ. संजय श्रीराम कुटे	स्वाति संदीप वाकेकर
अकोट	प्रकाश गुणवंतराव भारसाकले	महेश गंगानो
बालापुर	बलिराम भगवान सिरसकर (शिवसेना)	नितिन देशमुख (शिवसेना-यूबीटी)
अकोला पश्चिम	विजय कमलकिशोर अग्रवाल	साजिद खान पठान
अकोला पूर्व	रणधीर प्रल्हादराव सावरकर	गोपाल दातकर (शिवसेना-यूबीटी)
मुर्तिजापुर (एससी)	हरीश पिंपल	सम्राट डोंगरदिवे (एनसीपी-एसपी)
रिसोड	भावना गवली (शिवसेना)	अमित सुभाषराव जनक
वाशिम (एससी)	श्याम रामचरणजी खोडे	डॉ. सिद्धार्थ देवले (शिवसेना-यूबीटी)
करंजा	सई डहाके	राजेंद्र पाटनी ((एनसीपी-एसपी)
धामणगांव रेलवे	प्रताप जनार्दन अडसद	प्रो वीरेंद्र वाल्मीकराव जगताप
बडनेरा	रवि राणा (राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी)	सुनील खराटे (शिवसेना-यूबीटी)
अमरावती	सुलभा खोडके (एनसीपी)	डॉ सुनील देशमुख
तिवसा	राजेश श्रीरामजी वानखडे	यशोमति चंद्रकांत ठाकुर
दरयापुर (एससी)	अभिजीत आनंदराव अडसूल (शिवसेना)	गजानन मोतीराम लावटे (शिवसेना-यूबीटी)
मेलघाट (एसटी)	केवलराम तुलसीराम काले	डॉ. हेमंत चिमोटे
अचलपुर	प्रवीण तायडे	अनिरुद्ध बबलूभाऊ देशमुख
मोर्शी	उमेश यावलकर	गिरीश कराले (एनसीपी-एसपी)
आर्वी	सुमित वानखेड़े	मयूरा अमर काले (एनसीपी-एसपी)
देवली	राजेश बकाने	रंजीत प्रताप कांबले
हिंगणघाट	समीर त्र्यंबकराव कुणावार	अतुल वांडिले (एनसीपी-एसपी)
वर्धा	डॉ. पंकज राजेश भोयर	शेखर प्रमोदबाबू शेंडे
काटोल	चरणसिंह ठाकुर	सलिल देशमुख (एनसीपी-एसपी)
सावनेर	डॉ आशीषराव देशमुख	अनुजा सुनील केदार
हिंगणा	समीर दत्तात्रेय मेघे	रमेशचंद्र बंग (एनसीपी-एसपी)
उमरेड (एससी)	सुधीर लक्ष्मण परवे	संजय नारायण राव मेश्राम
नागपुर दक्षिण-पश्चिम	देवेंद्र फडणवीस	प्रफुल्ल विनोद राव गुडधे
नागपुर दक्षिण	मोहन गोपालराव माते	गिरीश कृष्णाराव पांडव
नागपुर पूर्व	कृष्ण पंचम खोपड़े	दुनेश्वर पेठे (एनसीपी-एसपी)
नागपुर मध्य	प्रवीण दटके	बंटी बाबा शेलके
नागपुर पश्चिम	सुधाकर कोहाले	विकास पी ठाकरे
नागपुर उत्तर (एससी)	डॉ. मिलिंद माने	डॉ नितिन काशीनाथ राऊत
कामठी	चन्द्रशेखर बावनकुले	सुरेश यादवराव भोयर
रामटेक	आशीष नंदकिशोर जयसवाल (शिवसेना)	विशाल बरबटे (शिवसेना-यूबीटी)
तुमसर	राजू कारेमोरे (एनसीपी)	चरण वाघमारे (एनसीपी-एसपी)
भन्डारा (एससी)	नरेंद्र भोजराज भोंडेकर (शिवसेना)	पूजा गणेश ठवकर
साकोली	अविनाश ब्रह्मणकर	नाना पटोले
अर्जुनी-मोरगांव (एससी)	राजकुमार बडोले (एनसीपी)	दिलीप वामन बंसोड
तिरोडा	विजय भरतलाल रहांगडाले	रविकांत बोपचे (एनसीपी-एसपी)
गोंदिया	विनोद अग्रवाल	गोपालदास शंकरलाल अग्रवाल
आमगांव (एसटी)	संजय हनवंतराव पुरम	राजकुमार पुरम
अरमोरी (एसटी)	कृष्णा दामाजी गजबे	रामदास मालुजी मसराम
गड़चिरौली (एसटी)	डॉ. मिलींद रामजी नरोटे	मनोहर तुलसीराम पोरेटी
अहेरी (एसटी)	धर्मराव बाबा आत्राम (एनसीपी)	भाग्यश्री आत्राम (एनसीपी-एसपी)
राजुरा	देवराव विठोबा भोंगले	सुभाष धोते
चन्द्रपुर (एससी)	जोर्गेवार किशोर गजानन	प्रवीण नानाजी पडवेकर
बल्लारपुर	सुधीर मुनगंटीवार	रावत संतोषसिंह
ब्रम्हपुरी	कृष्णलाल बाजीराव सहारे	विजय वडेट्टीवार
चिमुर	बंटी भांगड़िया	सतीश मनोहरराव वारजुकर
वरोरा	करण संजय देवतले	प्रवीण सुरेश काकड़े
वाणी	संजीवरेड्डी बापुराव बोडकुरवार	संजय देरकर (शिवसेना-यूबीटी)
रालेगांव (एसटी)	डॉ. अशोक रामाजी उइके	वसंत पुरके
यवतमाल	मदन मधुकरराव येरवर	अनिल बालासाहेब शंकरराव मंगुलकर
दिग्रस	संजय दुलीचंद राठौड़ (शिवसेना)	गोविंदराव ठाकरे
अर्णी (एसटी)	राजू नारायण तोड़सम	जितेंद्र मोघे
पुसद	इंद्रनील नाइक (एनसीपी)	शरद मैंद (एनसीपी-एसपी)
उमरखेड़ (एससी)	किशन मारोती वानखेड़े	साहेबराव कांबले
किनवट	भीमराव रामजी केरम	प्रदीप नाइक (एनसीपी-एसपी)
हदगांव	बाबुराव कदम (शिवसेना)	माधवराव निवृत्तराव पवार पाटिल
भोकर	श्रीजया अशोक चव्हाण	तिरूपति राव बाबू कदम कोंडेकर
नांदेड़ उत्तर	बालाजी देवीदासराव कल्याणकर (शिवसेना)	अब्दुल सत्तार ए गफ्फूर
नांदेड़ दक्षिण	आनंद तिडके (शिवसेना)	मोहनराव हंबर्डे
लोहा	प्रताप पाटिल चिखलीकर (एनसीपी)	एकनाथ पवार (शिवसेना-यूबीटी)
नायगांव	राजेश संभाजी पवार	मीनल निरंजन पाटिल (खटगांवकर)
देगलुर (एससी)	अंतापुरकर जितेश रावसाहेब	निवरुत्ती कोनडिबा कांबले सांगविकर
मुखेड	तुषार राठौड़	पाटिल हनमंतराव वेंकटराव
वसमत	चंद्रकांत उर्फ राजू नवघरे (एनसीपी)	जयप्रकाश दांडेगावकर (एनसीपी-एसपी)
कलमनुरी	संतोष लक्ष्मणराव बांगर (शिवसेना)	डॉ. संतोष टारफे (शिवसेना-यूबीटी)
हिंगोली	तानाजी मुटकुले	रूपाली राजेश पाटिल (शिवसेना-यूबीटी)
जिन्तूर	मेघना बोर्डिकर	विजय भांबले (एनसीपी-एसपी)
परभणी	आनंद भरोसे (शिवसेना)	डॉ. राहुल पाटिल (शिवसेना-यूबीटी)
गंगाखेड़	गुट्टे रत्नाकर मणिकराव (राष्ट्रीय समाज पक्ष)	विशाल कदम (शिवसेना-यूबीटी)
पाथरी	राजेश विटेकर (एनसीपी)	सुरेश अंबादास वरपुडकर
परतुर	बाबनराव लोणीकर	आसाराम बोराडे (शिवसेना-यूबीटी)

विधानसभा	महायुति	महाविकास अघाड़ी
गनसावंगी	हिकमत उढान (शिवसेना)	राजेश टोपे (एनसीपी-एसपी)
जालना	अर्जुन पंडित राव खोतकर (शिवसेना)	कैलास किसनराव गोरंट्याल
बदनापुर (एससी)	नारायण कुचे	बबलू नेहरूलाल चौधरी (एनसीपी-एसपी)
भोकरदन	संतोष रावसाहेब दानवे	चंद्रकांत दानवे (एनसीपी-एसपी)
सिल्लोद	अब्दुल सत्तार (शिवसेना)	सुरेश बनकर (शिवसेना-यूबीटी)
कन्नड़	रंजनाताई जाधव (शिवसेना)	उदयसिंह राजपूत (शिवसेना-यूबीटी)
फुलम्बरी	अनुराधाताई अतुल चव्हाण	विलास केशवराव औताडे
औरंगाबाद मध्य	प्रदीप शिवनारायण जयसवाल (शिवसेना)	डॉ. बालासाहेब थोरात (शिवसेना-यूबीटी)
औरंगाबाद पश्चिम (एससी)	संजय शिरसाट (शिवसेना)	राजू शिंदे (शिवसेना-यूबीटी)
औरंगाबाद पूर्व	अतुल सावे	लाहू हनमंतराव शेवाले
पैठण	विलास संदीपन भूमरे (शिवसेना)	राधाकिसन गोर्डे (शिवसेना-यूबीटी)
गंगापुर	प्रशांत बंब	सतीश चव्हाण (एनसीपी-एसपी)
वैजापुर	रमेश नानासाहेब बोरनारे (शिवसेना)	दिनेश परदेशी (शिवसेना-यूबीटी)
नांदगांव	सुहास द्वारकानाथ कांडे (शिवसेना)	गणेश धात्रक (शिवसेना-यूबीटी)
मालेगांव मध्य		एजाज बेग
मालेगांव बाहरी	दादा दगड़ूजी तिनके (शिवसेना)	अद्वय हिरे (शिवसेना-यूबीटी)
बगलान (एसटी)	दिलीप मंगलू बोरसे	चव्हाण दीपिका संजय (शिवसेना-यूबीटी)
कलवण (एसटी)	नितिन पवार (एनसीपी)	जीवा गावित पांडु (माकपा)
चांदवड़	डॉ. राहुल दौलतराव अहेर	शिरीषकुमार वसंतराव कोतवाल
येवला	छगन भुजबल (एनसीपी)	मणिकराव शिंदे (एनसीपी-एसपी)
सिन्नर	माणिकराव कोकाटे (एनसीपी)	उदय पुंजाजी सांगले (एनसीपी-एसपी)
निफाड	बांकर शंकरराव (एनसीपी)	अनिल कदम (शिवसेना-यूबीटी)
दिन्डोरी (एसटी)	नरहरि जिरवाल (एनसीपी)	चारोस्कर सुनीता रामदास (एनसीपी-एसपी)
नाशिक पूर्व	राहुल उत्तमराव ढिकाले	गणेश गीते (एनसीपी-एसपी)
नाशिक मध्य	देवयानी सुहास फरांदे	वसंत गीते (शिवसेना-यूबीटी)
नाशिक पश्चिम	सीमाताई महेश हिरे	सुधाकर बडगुजर (शिवसेना-यूबीटी)
देवलाली (एससी)	सरोज आहिरे (एनसीपी)	योगेश घोलप (शिवसेना-यूबीटी)
इगतपुरी (एसटी)	हिरामन खोसकर (एनसीपी)	लकीभाऊ भीका जाधव
दहाणु (एसटी)	मेधा विनोद सुरेश	विनोद भीवा निकोले (माकपा)
विक्रमगढ़ (एसटी)	हरिश्चंद्र सखाराम भोये	सुनील भुसारा (एनसीपी-एसपी)
पालघर (एसटी)	राजेंद्र गावित (शिवसेना)	जयेंद्र दुबला (शिवसेना-यूबीटी)
बोईसर (एसटी)	विलास सुकुर तारे (शिवसेना)	डॉ. विश्वास वलवी (शिवसेना-यूबीटी)
नालासोपारा	राजन नाइक	संदीप पांडे
वसई	विनोद विश्राम तांबे	विजय गोविंद पाटिल
भिवंडी ग्रामीण (एसटी)	शांताराम तुकाराम मोरे (शिवसेना)	महादेव घाटल (शिवसेना-यूबीटी)
शहापुर (एसटी)	दौलत दरोडा (एनसीपी)	पांडुरंग महादु बरोरा (एनसीपी-एसपी)
भिवंडी पश्चिम	महेश प्रभाकर चौघुले	दयानंद मोतीराम चौराघे
भिवंडी पूर्व	संतोष मंजय शेट्टी (शिवसेना)	रईस कसम शेख (एसपी)
कल्याण पश्चिम	विश्वनाथ भोईर (शिवसेना)	सचिन बसरे (शिवसेना-यूबीटी)
मुरबाड	किसन शंकर कथोरे	सुभाष पवार (एनसीपी-एसपी)
अम्बरनाथ (एससी)	डॉ. बालाजी प्रल्हाद (शिवसेना)	राजेश वानखेडे (शिवसेना-यूबीटी)
उल्हासनगर	कुमार उत्तमचंद आयलानी	ओमी पप्पू कलानी (एनसीपी-एसपी)
कल्याण पूर्व	सुलभा गणपत गायकवाड	धनंजय बोडारे (शिवसेना-यूबीटी)
डोम्बीवली	रवींद्र दत्तात्रेय चव्हाण	दिपेश म्हात्रे (शिवसेना-यूबीटी)
कल्याण ग्रामीण	राजेश मोर (शिवसेना)	सुभाष भोईर (शिवसेना-यूबीटी)
मीरा भायंदर	नरेन्द्र मेहता	सैयद मुजफ्फर हुसैन
ओवला-माजीवड़ा	प्रताप सरनाइक (शिवसेना)	नरेश मडेरा (शिवसेना-यूबीटी)
कोपरी-पाचपखाड़ी	एकनाथ शिंदे (शिवसेना)	केदार दिघे (शिवसेना-यूबीटी)
ठाणे	संजय मुकुंद केलकर	राजन विचारे (शिवसेना-यूबीटी)
मुम्ब्रा-कलवा	नजीब मुल्ला (एनसीपी)	जितेंद्र आव्हाण (एनसीपी-एसपी)
ऐरोली	गणेश नाइक	एमके मढवी (शिवसेना-यूबीटी)
बेलापुर	मंदा विजय म्हात्रे	संदीप नाइक (एनसीपी-एसपी)
बोरीवली	संजय उपाध्याय	संजय वामन भोसले (शिवसेना-यूबीटी)
दहिसर	मनीषा अशोक चौधरी	घोषालकर विनोद रामचंद्र ((एनसीपी-एसपी)
मागाठणे	प्रकाश राजाराम सर्वे (शिवसेना)	उदेश पाटेकर (शिवसेना-यूबीटी)
मुलुन्ड	मिहिर कोटेचा	राकेश शेट्टी
विक्रोली	सुवर्णा सहदेव करंजे (शिवसेना)	सुनील राउत (शिवसेना-यूबीटी)
भान्डुप पश्चिम	अशोक धर्मराज पाटिल (शिवसेना)	रमेश कोरगावकर (शिवसेना-यूबीटी)
जोगेश्वरी पूर्व	मनीषा रवीन्द्र वायकर (शिवसेना)	अनंत बाला नर (शिवसेना-यूबीटी)
दिन्डोशी	संजय निरुपम (शिवसेना)	सुनील प्रभु (शिवसेना-यूबीटी)
कांदीवली पूर्व	अतुल भातखलकर	कालू बधेलिया
चारकोप	योगेश सागर	यशवंत जयप्रकाश सिंह
मलाड पश्चिम	विनोद शेलार	असलम आर. शेख
गोरेगांव	विद्या ठाकुर	समीर देसाई (शिवसेना-यूबीटी)
वरसोवा	डॉ. भारती लावेकर	हारुन खान (शिवसेना-यूबीटी)
अंधेरी पश्चिम	अमित साटम	अशोक जाधव
अंधेरी पूर्व	मुरजी पटेल (शिवसेना)	ऋतुजा लटके (शिवसेना-यूबीटी)
विले पार्ले	पराग अलवणी	संदीप राजू नाइक (शिवसेना-यूबीटी)
चांदीवली	दिलीप भाऊसाहेब लांडे (शिवसेना)	मोहम्मद आरिफ नसीम खान
घाटकोपर पश्चिम	राम कदम	संजय भालेराव (शिवसेना-यूबीटी)
घाटकोपर पूर्व	पराग शाह	राखी जाधव (एनसीपी-एसपी)
मानखुर्द शिवाजी नगर	सुरेश पाटिल (शिवसेना)	अबू आजमी (सपा)
अणुशक्ति नगर	सना मलिक (एनसीपी)	फहाद अहमद (एनसीपी-एसपी)
चेंबूर	तुकाराम रामकृष्ण काटे (शिवसेना)	प्रकाश फातर्पेकर (शिवसेना-यूबीटी)
कुर्ला (एससी)	मंगेश अनंत कुडालकर (शिवसेना)	प्रविणा मोरजकर (शिवसेना-यूबीटी)
कलीना	अमरजीत सिंह	संजय पोतनीस (शिवसेना-यूबीटी)
वान्द्रे पूर्व	जीशान सिद्दीकी (एनसीपी)	वरुण सरदेसाई (शिवसेना-यूबीटी)
वान्द्रे पश्चिम	आशीष शेलार	आसिफ अहमद जकारिया
धारावी (एससी)	राजेश शिवदास खंडारे (शिवसेना)	डॉ. ज्योति एकनाथ गायकवाड़
सायन कोलीवाड़ा	कैप्टन आर. तमिल सेल्वन	गणेश कुमार यादव
वडाला	कालिदास नीलकंठ कोलंबकर	श्रद्धा जाधव (शिवसेना-यूबीटी)
माहिम	सदानंद सरवणकर (शिवसेना)	महेश सावंत (शिवसेना-यूबीटी)
वर्ली	मिलिंद देवड़ा (शिवसेना)	आदित्य ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी)
शिवडी	बाला नांदगांवकर (मनसे)	अजय चौधरी (शिवसेना-यूबीटी)
भायखला	यामिनी यशवन्त जाधव (शिवसेना)	मनोज जामसुतकर (शिवसेना-यूबीटी)
मालाबार हिल	मंगल प्रभात लोढ़ा	भेरूलाल दयालाल चौधरी (शिवसेना-यूबीटी)
मुम्बादेवी	शायना मुनोत (शिवसेना)	अमीन अमीराली पटेल
कोलाबा	राहुल सुरेश नार्वेकर	हीरा नवाजी देवासी
पनवेल	प्रशांत ठाकुर	लीना गरद (शिवसेना-यूबीटी)
करजत	महेंद्र सदाशिव थोरवे (शिवसेना)	नितिन सावंत (शिवसेना-यूबीटी)
उरण	महेश बाल्दी	मनोहर भोईर (शिवसेना-यूबीटी)
पेन	रविशेठ पाटिल	प्रसाद दादा भोईर (शिवसेना-यूबीटी)
अलीबाग	महेंद्र हरि दलवी (शिवसेना)	चित्रलेखा पाटिल (पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी)
श्रीवर्धन	अदिति तटकरे (एनसीपी)	अनिल दत्ताराम नवगाणे (एनसीपी-एसपी)
महाड	भरतशेठ मारुति गोगावले (शिवसेना)	स्नेहल जगताप (शिवसेना-यूबीटी)
जुन्नर	अतुल बेनके (एनसीपी)	सत्यशील शेरकर (एनसीपी-एसपी)
आम्बेगांव	दिलीप वलसे पाटिल (एनसीपी)	देवदत्त निकम (एनसीपी-एसपी)
खेड आलन्दी	दिलीप मोहिते (एनसीपी)	बाबाजी रामचन्द्र काले (शिवसेना-यूबीटी)
शिरूर	ज्ञानेश्वर (एनसीपी)	अशोक पवार (एनसीपी-एसपी)

विधानसभा	महायुति	महाविकास अघाड़ी
दौंड	राहुल सुभाषराव कुल	रमेशप्पा किशनराव थोरात (एनसीपी-एसपी)
इन्दापुर	दत्तात्रेय भरड़े (एनसीपी)	हर्षवर्धन पाटिल (एनसीपी-एसपी)
बारामती	अजित पवार (एनसीपी)	युगेंद्र पवार (एनसीपी-एसपी)
पुरन्दर	विजयबापू शिवतारे (शिवसेना)	संजय चंद्रकांत जगताप
भोर	शंकर हीरामन मंडेकर (एनसीपी)	संग्राम अनंतराव थोपटे
मावल	सुनील शेलके (एनसीपी)	बापू जयवंतराव भेगड़े (निर्दलीय)
चिंचवड़	शंकर जगताप	कलाटे राहुल तानाजी (एनसीपी-एसपी)
पिंपरी (एससी)	अन्ना बनसोडे (एनसीपी)	सुलक्षणा शिलवंत-धर (एनसीपी-एसपी)
भोसरी	महेश (दादा) किसान लांडगे	अजीत दामोदर गव्हाणे (एनसीपी-एसपी)
वड़गांव शेरी	सुनील टिंगरे (एनसीपी)	बापूसाहेब पठारे (एनसीपी-एसपी)
शिवाजीनगर	सिद्धार्थ शिरोले	दत्ता बहिरत
कोथरुड	चंद्रकांत दादा बच्चू पाटिल	चंद्रकांत मोकाटे (शिवसेना-यूबीटी)
खड़कवासला	भिमराव तापकीर	सचिन दोडके (एनसीपी-एसपी)
पर्वती	माधुरी सतीश मिसाल	अश्विनी कदम (एनसीपी-एसपी)
हड़पसर	चेतन तुपे (एनसीपी)	प्रशांत जगताप (एनसीपी-एसपी)
पुणे छावनी (एससी)	सुनील ज्ञानदेव कांबले	रमेश आनंदराव बागवे
कस्बा पेठ	हेमंत नारायण रासने	रवींद्र हेमराज धांगेकर
अकोले (एसटी)	डॉ. किरण लहामटे (एनसीपी)	अमित अशोक भांगरे (एनसीपी-एसपी)
संगमनेर	अमोल धोंडीबा खताल (शिवसेना)	बालासाहेब थोरात
शिरडी	राधाकृष्ण एकनाथराव विखे पाटिल	प्रभावती जे. घोगरे
कोपरगांव	आशुतोष काले (एनसीपी)	संदीप वर्पे (एनसीपी-एसपी)
श्रीरामपुर (एससी)	कनाडे लाहु नाथा	हेमंत ओगले
नेवासा	विट्ठल वकीलराव लंघे (शिवसेना)	शंकरराव गडाख (शिवसेना-यूबीटी)
शेवगांव	मोनिका राजीव राजले	प्रताप ढाकणे (एनसीपी-एसपी)
राहुरी	शिवाजीराव भानुदास कार्डिले	प्राजक्त तनपुरे (एनसीपी-एसपी)
पारनेर	काशीनाथ महादु दाते (एनसीपी)	रानी लंके (एनसीपी-एसपी)
अहमदनगर शहर	संग्राम जगताप (एनसीपी)	अभिषेक कलमकर (एनसीपी-एसपी)
श्रीगोन्दा	विक्रम पचपुते	अनुराधा राजेंद्र नागवाडे (शिवसेना-यूबीटी)
करजत-जामखेड़	प्रो. राम शंकर शिंदे	रोहित पवार (एनसीपी-एसपी)
गेवराई	विजयसिंह पंडित (एनसीपी)	बदामराव पंडित (शिवसेना-यूबीटी)
माजलगांव	प्रकाश दादा सोलंके (एनसीपी)	मोहन जगताप (एनसीपी-एसपी)
बीड	योगेश क्षीरसागर (एनसीपी)	संदीप रविन्द्र क्षीरसागर (एनसीपी-एसपी)
आष्टी	धस सुरेश रामचंद्र	मेहबूब शेख (एनसीपी-एसपी)
केज (एससी)	नमिता मूंदड़ा	पृथ्वीराज साठे (एनसीपी-एसपी)
पर्ली	धनंजय मुंडे (एनसीपी)	राजेसाहेब श्रीकिशन देशमुख ((एनसीपी-एसपी)
लातूर ग्रामीण	रमेश काशीराम कराड	धीरज विलासराव देशमुख
लातूर शहर	डॉ. अर्चना पाटील चाकुरकर	अमित विलासराव देशमुख
अहमदपुर	बाबासाहेब पाटिल (एनसीपी)	विनायक पाटिल (एनसीपी-एसपी)
उदगीर (एससी)	संजय बनसोडे (एनसीपी)	सुधाकर भालेराव (एनसीपी-एसपी)
निलंगा	संभाजी पाटिल निलांगेकर	अभयकुमार सालुंखे
औसा	अभिमन्यु पवार	दिनकर बाबूराव माने (शिवसेना-यूबीटी)
उमरगा (एससी)	ज्ञानराज धोंडीराम चौगुले (शिवसेना)	प्रवीण वीरभद्रय्या स्वामी (शिवसेना-यूबीटी)
तुलजापुर	राणाजगजीतसिंह पद्मसिंह पाटिल	कुलदीप पाटिल
उस्मानाबाद	अजीत पिंगले (शिवसेना)	कैलाश पाटिल (शिवसेना-यूबीटी)
परान्दा	डॉ. तानाजी जयवंत सावंत (शिवसेना)	राहुल महारुद्र मोटे (एनसीपी-एसपी)
कर्माला	दिग्विजय बागल (शिवसेना)	नारायण पाटिल (एनसीपी-एसपी)
माधा	एडवोकेट मिनाल्टाई साठे (एनसीपी)	अभिजीत धनंजय पाटिल (एनसीपी-एसपी)
बारशी	राजेंद्र विट्ठल राउत (शिवसेना)	दिलीप सोपल (शिवसेना-यूबीटी)
मोहोल (एससी)	यशवंत विट्ठल माने (एनसीपी)	राजू ज्ञानू खरे (एनसीपी-एसपी)
सोलापुर शहर उत्तर	विजयकुमार देशमुख	महेश कोठे (एनसीपी-एसपी)
सोलापुर शहर मध्य	देवेंद्र राजेश कोठे	चेतन पंडित नरोटे
अक्कलकोट	सचिन कल्याणशेट्टी	सिद्धराम सतलिंगप्पा म्हात्रे
सोलापुर दक्षिण	सुभाष देशमुख	अमर पाटिल (शिवसेना-यूबीटी)
पंढरपुर	समाधान महादेव आवताड़े	भारत भालके
सांगोला	शाहजी बापू राजाराम पाटिल (शिवसेना)	दीपक आबा सालुंखे (शिवसेना-यूबीटी)
मालशिरस (एससी)	राम विट्ठल सतपुते	उत्तमराव जानकर (शिवसेना-यूबीटी)
फल्टन (एससी)	सचिन पाटिल (एनसीपी)	दीपक चव्हाण (एनसीपी-एसपी)
वाई	मकरंद पाटिल (एनसीपी)	अरुणादेवी शशिकांत पिसल (एनसीपी-एसपी)
कोरेगांव	महेश संभाजीराजे शिंदे (शिवसेना)	शशिकांत शिंदे (एनसीपी-एसपी)
माण	जयकुमार भगवानराव गोरे	प्रभाकर घार्गे (एनसीपी-एसपी)
कराड उत्तर	मनोज घोरपडे	बालासाहेब पाटिल (एनसीपी-एसपी)
कराड दक्षिण	डॉ. अतुल सुरेश भोसले	पृथ्वीराज चव्हाण
पाटन	शंभूराज शिवाजीराव देसाई (शिवसेना)	हर्षद कदम (शिवसेना-यूबीटी)
सतारा	छत्रपति शिवेंद्र राजे भोसले	अमित गेनुजी कदम (शिवसेना-यूबीटी)
दापोली	योगेश रामदास कदम (शिवसेना)	संजय कदम (शिवसेना-यूबीटी)
गुहागर	राजेश बेंडाल (शिवसेना)	भास्कर जाधव (शिवसेना-यूबीटी)
चिपलून	शेखर निकम (एनसीपी)	प्रशांत यादव (एनसीपी-एसपी)
रत्नागिरी	उदय रविन्द्र सामंत (शिवसेना)	सुरेंद्रनाथ बाल माने (शिवसेना-यूबीटी)
राजापुर	किरण रविन्द्र सामंत (शिवसेना)	राजन साल्वी (शिवसेना-यूबीटी)
कणकवली	नितेश राणे	संदेश पारकर (शिवसेना-यूबीटी)
कुडाल	नीलेश राणे (शिवसेना)	वैभव नाइक (शिवसेना-यूबीटी)
सावन्तवाड़ी	दीपक केसरकर (शिवसेना)	राजन तेली (शिवसेना-यूबीटी)
चंदगढ़	राजेश पाटिल (एनसीपी)	बाभुलकर नंदताई (एनसीपी-एसपी)
राधानगरी	प्रकाश आनंदराव आबिटकर (शिवसेना)	केपी पाटिल (शिवसेना-यूबीटी)
कागल	हसन मुश्रीफ (एनसीपी)	समरजीत घाटगे (एनसीपी-एसपी)
कोल्हापुर दक्षिण	अमल महादिक	रुतुराज संजय पाटिल
करवीर	चंद्रदीप शशिकांत नरके (शिवसेना)	राहुल पांडुरंग पाटिल
कोल्हापुर उत्तर	राजेश क्षीरसागर (शिवसेना)	राजेश लटकर (निर्दलीय)
शाहुवाड़ी	डॉ. विनय कोरे (जन सुराज्य शक्ति)	सत्यजीत आबा पाटिल (शिवसेना-यूबीटी)
हटकनंगले (एससी)	डॉ. गणेश वायकर (रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया)	राजू जयंतराव आवले
इचलकरंजी	राहुल प्रकाश अवाडे	मदन सीताराम करांडे (एनसीपी-एसपी)
शिरोल	राजेंद्र पाटिल (राजर्षि शाहू विकास अघाड़ी)	गणपतराव अप्पासाहेब पाटिल
मिराज (एससी)	सुरेश खाड़े	तानाजी सतपुते (शिवसेना-यूबीटी)
सांगली	धनंजय गाडगिल	पृथ्वीराज गुलाबराव पाटिल
इस्लामपुर	निशिकांत पाटिल (एनसीपी)	जयंत पाटील (एनसीपी-एसपी)
शिराला	सत्यजित शिवाजीराव देशमुख	मानसिंह नाइक (एनसीपी-एसपी)
पलुस-कड़ेगांव	संग्राम देशमुख	डॉ. विश्वजीत पतंगराव कदम
खानापुर	सुहास अनिल बाबर (शिवसेना)	वैभवदादा पाटिल (एनसीपी-एसपी)
तासगांव-कवठे-महाकाल	संजय काका पाटिल (एनसीपी)	रोहित आरआर पाटिल (एनसीपी-एसपी)
जत	गोपीचंद कुंडलिक पडलकर	विक्रम सिंह बालासाहेब सावंत

विधानसभा	अन्य
सिंदखेडराजा	शशिकांत नरसिंहराव (शिवसेना)
काटोल	अनिल देशमुख (एनसीपी)
मालेगांव मध्य	मुफ्ती मो. इस्माइल अब्दुल खालिक (एआईएमआईएम)
देवलाली (एससी)	डॉ. अहिरराव राजश्री (शिवसेना)
मानखुर्द शिवाजी नगर	नवाब मलिक (एनसीपी)
आष्टी	अजाबे बालासाहेब भाऊसाहेब (एनसीपी)